हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 64 ● भिलाई, शुक्रवार 25 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

लालबागचा राजा के दरबार पहुंचे राजपाल यादव, जनता के साथ मिलकर किए दर्शन

मुंबई। गणेश उत्सव पर मुंबई के लालबागचा राजा के दरबार में लगातार फिल्मी सितारे पहुंच रहे हैं। हाल ही में, शाहरुख खान, संजय दत्त और अनन्या पांडे समेत कई हस्तियों को दरबार में हाजिरी लगाते देखा गया। ताजा वीडियो राजपाल यादव का सामने आया है, जिसमें उन्हें आम जनता के साथ लाइन में लगते हुए बप्पा के दर्शन करते हुए देखा गया। जहां आमतौर पर सितारों के लिए वीआईपी दर्शन की सुविधा थीं, तो वहीं राजपाल जनता के साथ नजर आए। राजपाल के लालबागचा पंडाल के दर्शन का वीडियो ऑनलाइन सामने आया है। इसमें उन्हें बप्पा के दर्शन के लिए अन्य श्रद्धालुओं के साथ कतार में खड़े देखा जा सकता है। अपनी बारी का इंतजार करते हुए उन्होंने गणपति बप्पा मोरिया का जयकारा लगाया। वीआईपी दर्शन को ठुकराने के उनके इस फैसले से फैंस भी खुश दिखे और राजपाल की सराहना कर रहे हैं। बता दें, राजपाल 9 करोड़ के चेक बाउंस मामले को लेकर लंबे समय से चर्चा में हैं।

आईआईटी-बॉम्बे छात्र आत्महत्या मामले में प्रोफेसर दूल्ला को छुट्टी पर भेजा

मुंबई। महाराष्ट्र में स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे में छात्र साहिल वाकोडे की आत्महत्या के मामले में संस्थान ने प्रोफेसर सूर्यनारायरण दुल्ला को अवकाश पर भेज दिया है। प्रोफेसर पर छात्र को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है, जिसके तहत मुंबई अपराध शाखा की टीम आज उनसे पूछताछ करेगी। जांच एजेंसी ने साहिल के माता-पिता और उन छात्रों के बयान दर्ज किए हैं, जो परीक्षा हॉल में उसके साथ मौजूद थे। संस्थान के प्रबंधन ने मामले की जांच के लिए 10 सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है। बताया जा रहा है कि अपराध शाखा आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर और अन्य संकाय सदस्य के बयान भी दर्ज कर सकती है। प्रोफेसर दुल्ला से पूछताछ होगी। इससे पहले संस्थान ने उनको प्रशासनिक मामले के डीन पद से हटाया था।

महालक्ष्मी रेसकोर्स के रेस्तरां पर गिरी गाज, गंदगी मिलने पर खाद्य लाइसेंस निलंबित

मुंबई। शहर में रेस्तरां और खान-पान प्रतिष्ठानों में स्वच्छता तथा खाद्य गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने महालक्ष्मी रेसकोर्स समेत मुंबई के पांच खान-पान प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई शुरू की है। इनमें महालक्ष्मी रेसकोर्स स्थित रॉयल वेस्टर्न इंडिया टर्फ क्लब के परिसर में संचालित एक रेस्तरां और बांद्रा पश्चिम का एक प्रतिष्ठान भी शामिल है। महालक्ष्मी रेसकोर्स स्थित रेस्तरां के निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़े कई गंभीर उल्लंघन सामने आए।

यमुना एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा

बस में लगी भीषण आग,9 यात्रियों की झुलसकर मौत

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे पर देर रात एक बेहद दर्दनाक हादसा पेश आया है। दिल्ली से महोबा जा रही 'राज कल्पना ट्रैवल्स' की एक डबल स्लीपर बस दयानतपुर गांव के पास अचानक आग का गोला बन गई। हादसे के वक्त बस में लगभग 35 यात्री सवार थे। आग इतनी तेजी से फैली कि यात्रियों को बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला। तड़के करीब 3:30 बजे प्रशासन द्वारा 9 लोगों की मौत की पुष्टि की गई, जबकि कई घायलों को इलाज के लिए कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिवहन मंत्री: यात्रियों ने बस में अजीब गंध की शिकायत की, लेकिन ड्राइवर ने इमरजेंसी गेट नहीं खोला; हादसे में 9 लोगों की मौत। ड्राइवर का लाइसेंस रद्द: परिवहन मंत्री ने जांच के आधार पर सख्त कार्रवाई की बात कही। डीएनए से हो सकती है पहचान: शवों की स्थिति खराब होने के कारण जरूरत पड़ने पर डीएनए जांच कराई जाएगी; अब तक 4 मृतकों के परिजन पहुंचे। आर्थिक सहायता: मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की मदद का ऐलान। ड्राइवर-कंडक्टर गिरफ्तार: नोएडा पुलिस ने ड्राइवर पवन और कंडक्टर योगेश को गिरफ्तार किया। बस की ऊंचाई ज्यादा: आरटीओ जांच में बस की ऊंचाई 4.1 मीटर मिली, जबकि मानक 3.8 मीटर बताया गया। बस पर 19 चालान: अब तक 1.75 लाख से ज्यादा का जुर्माना, लेकिन राशि जमा नहीं हुई थी। बस के दस्तावेजों पर सवाल: बस का रजिस्ट्रेशन मधुबनी का, फिटनेस राजस्थान और प्रदूषण प्रमाण पत्र हरियाणा से जारी हुआ था। मोदी ने जताया दुख: मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की सहायता की घोषणा। परिजन की तलाश: दिल्ली के प्रदीप गुप्ता को अपनी सास ऊषा देवी के सुरक्षित होने की उम्मीद है; हादसे से पहले रात करीब 10 बजे उनसे फोन पर बात हुई थी। टोल कर्मियों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात के अंधेरे में अचानक बस में आग की ऊंची लपटें और धुआं उठता दिखाई दिया, जिससे यात्रियों के बीच चीख-पुकार और अफरातफरी मच गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत बस को एक्सप्रेसवे के किनारे रोक दिया। खिड़की से कूदकर और दरवाजा खुलने पर कई सवारियों ने अपनी जान बचाई, लेकिन कई लोग अंदर ही फंस गए। मृतकों में महिलाएं, बुजुर्ग और दिव्यांग बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही यमुना एक्सप्रेसवे की निजी सुरक्षा टीम, स्थानीय पुलिस और करीब 4 से 5 फायर टेंडर मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बस में लगी आग पर पूरी तरह से काबू पाया। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस ने जेवर टोल और फ्लैदा कट पर लगभग 20 मिनट तक वाहनों की आवाजाही को रोक दिया था, जिसे बाद में स्थिति सामान्य होने पर दोबारा सुचारू कर दिया गया।

सीएम योगी ने भी किया मुआवजे का ऐलान

इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के लिए मुआवजे का ऐलान किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को ग्रेटर नोएडा बस दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। इस हादसे में पुलिस और बचाव दलों ने बस से 30 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। यह घटना 23-24 सितंबर की देर रात ग्रेटर नोएडा के जेवर पुलिस स्टेशन के इलाके में हुई। दिल्ली के कश्मीरी गेट से महोबा जा रही एक बस में 33 किलोमीटर के माइलस्टोन के पास अचानक आग लग गई। बस में 30 से ज्यादा यात्री सवार थे। सूचना मिलने पर सीनियर पुलिस अधिकारी, लोकल पुलिस फोर्स, रेस्क्यू यूनिट, जेवर टोल प्लाजा पर तैनात एक फायर टेंडर, चार और फायर टेंडर और फायर सर्विस यूनिट मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। पुलिस के मुताबिक, तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। 20 से ज्यादा यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और पुलिस व रेस्क्यू टीमों ने कुल 30 लोगों को बचाया। हालांकि, धुएं से भरी बस के अंदर जांच करने पर 9 लोग मृत पाए गए, जिनकी मौत जलने और दम घुटने से हुई थी।

देशद्रोहियों को छोड़ा नहीं जाएगा

राहुल गांधी ने कहा....लोकतंत्र को खत्म होते नहीं देख सकते

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश में सत्ता विरोधी लहर (एंटी-इन्कम्बेंसी) कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के खिलाफतो काम करती है, लेकिन भाजपा के खिलाफ गायब हो जाती है। राहुल गांधी ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है। राहुल गांधी ने कहा कि वह एक राजनीतिक परिवार से आते हैं और 50 वर्षों से भारतीय राजनीति को करीब से देख रहे हैं। उनके मुताबिक, भारत में एंटी-इन्कम्बेंसी एक स्वाभाविक राजनीतिक ताकत है, जो हर सरकार के खिलाफसमय के साथ उभरती है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश युद्ध के बाद भारी लोकप्रियता हासिल की थी, लेकिन कुछ ही समय में उनके खिलाफ भी सत्ता विरोधी माहौल बन गया। यही स्थिति कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के नेताओं के साथ भी होती है, लेकिन भाजपा के मामले में ऐसा नहीं दिखता। उन्होंने कहा, मैं पूरी निश्चितता के साथ कह सकता हूं कि 2024 के लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनावों में धांधली हुई। मेरे पास इसे साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। यह 99 प्रतिशत नहीं, बल्कि 100 प्रतिशत निश्चित है। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की थी। उन्होंने दावा किया कि अब चुनाव आयोग के दो अन्य आयुक्त भी विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में गड़बड़ियों पर आपत्ति जता रहे हैं।

पत्नी और दो पुरोहितों की हत्या के बाद बेटे को भी मारी गोली

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के अहरौला थाना क्षेत्र के शंभुपुर गहजी गांव में शाम पूजा-पाठ के दौरान हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। अरविंद सिंह नामक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी बबीता और पूजा कराने आए दो पुरोहितों को गोली मार दी। इसके बाद वह अपने तीन बच्चों को लेकर घर के एक कमरे में बंद हो गया। पुलिस के मुताबिक, कमरे के भीतर से गोली चलने की आवाज आने पर अरविंद ने अपने एक बेटे को भी गोली मार दी। बच्चों की जान बचाने के लिए पुलिस ने कमरे में प्रवेश किया और जवाबी कार्रवाई में अरविंद घायल हो गया।

मडस्लाइड का खतरा

पश्चिम सिक्किम के रिंबी में भारी भूस्खलन हुआ

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम सिक्किम के रिंबी गांव में भूस्खलन के बाद मडस्लाइड की स्थिति पैदा हो गई है। पहाड़ी क्षेत्र में अचानक हुए इस भूस्खलन से स्थानीय निवासियों के लिए सुरक्षा जोखिम और खतरा काफी बढ़ गया है। भूस्खलन के कारण इलाके में सामान्य आवाजाही और कनेक्टिविटी प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। जिला प्रशासन की ओर से इस प्राकृतिक घटना के नए दृश्य जारी किए गए हैं तथा स्थिति पर नजर रखी जा रही है। पश्चिम सिक्किम के रिंबी गांव में अचानक हुए लैंडस्लाइड से इलाके में मडस्लाइड की स्थिति बन गई है। पहाड़ी ढलानों से मिट्टी और मलबा नीचे आने के कारण आसपास रहने वाले लोगों के लिए खतरा बढ़ गया है।

सेवा संकल्प अभियान यात्रियों से पीएम मोदी की बातचीत

अनुभव सुनकर मोदी बोल-मैं भी आपके साथ-साथ चल रहा हूं.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत वडनगर से वाराणसी तक की 'सेवा यात्रा' में शामिल यात्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। प्रधानमंत्री ने सेवा संकल्प यात्रा और इससे जुड़े सभी युवा साथियों का अभिनंदन किया। इस बातचीत से सेवा यात्रियों को अपनी यात्रा के अनुभव साझा करने का मौका मिला। इस यात्रा का मकसद उन जगहों पर युवाओं की भागीदारी और सामुदायिक सेवा को जोड़ना है जहां से ये टीमें गुजर रही हैं। सेवा यात्रा 17 सितंबर को शुरू हुई थी और यह पीएम मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए चलाए जा रहे बड़े 'सेवा संकल्प अभियान' का हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बातचीत के दौरान कहा कि वडनगर और वाराणसी दोनों ही पुरातन ऐतिहासिक शहर हैं। ये दोनों हजारों साल से जीवंत हैं। मेरे लिए तो एक मेरी जन्मभूमि है और दूसरी मेरी कर्मभूमि है। काशी में बाबा विश्वनाथ जी का आशीर्वाद है और वडनगर, हाटकेश्वर महादेव के आशीष की भूमि है। आप सभी इन दोनों शहरों के बीच सेवा का इतना बड़ा अभियान चला रहे हैं। अभी मुझे कुछ साथियों से बात करने का मौका भी मिला। जो वडनगर से निकले हैं और वाराणसी की तरफ बढ़ रहे हैं, आपका अनुभव सुनकर ऐसा लग रहा है कि जैसे मैं भी आपके साथ-साथ चल रहा हूं।

कालकाजी में गैंगरेप के बाद लेडी श्रीराम कॉलेज में कक्षाएं बंद, अब ऑनलाइन होगी पढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली के कालकाजी इलाके में एक 17 वर्षीय लड़की के साथ गैंगरेप की घटना के बाद लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर वुमन ने अपनी नियमित कक्षाएं रद्द कर दी है। कॉलेज ने अपनी सभी कक्षाओं को ऑनलाइन मोड पर स्थानांतरित कर दिया है। कॉलेज प्रशासन ने कहा है कि उसके छात्रों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बता दें कि जिस जगह गैंगरेप हुआ है, वहां से कॉलेज लगभग 2 किलोमीटर दूर स्थित है। कॉलेज की प्रिंसिपल कनिका के आहूजा ने कहा, जब हमें इस बुरी घटना के बारे में पता चला, तो हमने क्लास रद्द कर दीं।

एसआईआर पर सीएम साय का दो टूक बयान

मतदाता सूची से फर्जी मतदाताओं की छंटनी में क्या बुराई-मुख्यमंत्री

रायपुर। संवाददाता

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी स्क्रुक को लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया का समर्थन करते हुए कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। वहां विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श होता है और अंत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि यदि एसआईआर के जरिए फर्जी मतदाताओं की पहचान कर उन्हें मतदाता सूची से अलग करने की प्रक्रिया चल रही है, तो इसमें बुराई क्या है। उन्होंने निर्वाचन आयोग की संवैधानिक भूमिका पर जोर देते हुए प्रक्रिया को लेकर अपनी बात रखी। झीरम घाटी मामले में पीड़ित परिवारों के राहुल गांधी से प्रस्तावित मुलाकात को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में करीब 13 साल तक सुनवाई चली। इस दौरान 100 से अधिक गवाहों के बयान दर्ज किए गए और लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद अदालत का फैसला सामने आया है। उन्होंने कहा कि इतने लंबे समय तक चली सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना निर्णय दिया है, इसलिए अदालत के फैसले का स्वागत किया जाना चाहिए। झीरम मामले के पीड़ित परिवार 26 सितंबर को दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात करने वाले हैं। छत्तीसगढ़ भाजपा के नए प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर की नियुक्ति को लेकर भी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रतिक्रिया दी।

दोनों सदनों में नोटिस की तैयारी

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग का दांव

नई दिल्ली/ एजेंसी

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्षी दल एक बार फिर महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी में हैं। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर अन्य विपक्षी दलों से संपर्क शुरू किया है। कांग्रेस सूत्रों के हवाले से न्यूज एजेंसी एएनआई ने बताया है कि विपक्षी दल संसद के दोनों सदनों में ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर नोटिस लाने की तैयारी कर रहे हैं और इसे अगले दो हफ्तों में जमा किया जा सकता है। यह घटनाक्रम चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर जारी विवाद के बीच सामने आया है। विपक्षी दल लगातार एसआईआर की प्रक्रिया और चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते रहे हैं। हाल ही में द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि तीन सदस्यीय चुनाव आयोग में निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज कराईं। रिपोर्ट के अनुसार, ये आपत्तियां नए मतदाताओं को जोड़ने, मतदाता सूची से नाम हटाने,एसआईआर और वोटर डेटाबेस के केंद्रीकरण जैसे मुद्दों से जुड़ी थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों निर्वाचन आयुक्तों ने कुछ फैसलों और आदेशों को लेकर आपत्ति दर्ज कराई और कहा कि कुछ मामलों में उन्हें जानकारी या परामर्श नहीं दिया गया था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि कुछ मामलों में उन्होंने प्रक्रियाओं को लेकर सवाल उठाए थे। हालांकि, चुनाव आयोग ने इन रिपोर्टों के बाद कहा कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में

अलग-अलग विचार सामने आना सामान्य है और आयोग के सभी फैसले स्थापित वैधानिक प्रक्रिया के अनुसार लिए गए हैं। आयोग ने यह भी कहा कि पिछले एक साल में उसके सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए। ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इससे पहले भी विपक्षी सांसद महाभियोग नोटिस ला चुके हैं। 24 अप्रैल 2026 को राज्यसभा में 73 विपक्षी सांसदों ने संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत उन्हें हटाने की मांग वाला नोटिस दिया था। रिपोर्टों के मुताबिक, उस नोटिस में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नौ आरोप लगाए गए थे। अब विपक्षी दल नए नोटिस की तैयारी कर रहे हैं। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों के अनुसार, नए नोटिस में एसआईआर और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली से जुड़े नए मुद्दों को शामिल किया जा सकता है। हालांकि, नए नोटिस में लगाए जाने वाले आरोपों की पूरी जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं हुई है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट सामने आने के बाद कई विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने ज्ञानेश कुमार को हटाने और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है। टीएमसी की ओर से भी उनके खिलाफमहाभियोग प्रस्ताव आगे बढ़ाने की मांग की गई है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने सुप्रीम कोर्ट से मामले का स्वत: संज्ञान लेने की अपील की है।

चापलूसी का शौक है तो मोदी के चपरासी बन जाओ-अभिजीत दीपके

कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दीपके ने गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने अगले 48 घंटे में इस्तीफा देने के लिए समय दिया है। साथ ही दीपके ने कहा है कि अगर इस्तीफा नहीं देते हैं तो सीजेपी देशव्यापी आंदोलन चलाएगी। ज्ञानेश कुमार को लेकर दीपके ने कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार को प्रधानमंत्री मोदी की इतनी ही चापलूसी करनी है तो जाकर उनका चपरासी बन जाना चाहिए, उनके घर पर पोछा लगाना चाहिए, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त मत बनिए। अभिजीत दीपके ने चुनाव आयोग में मतभेद मामले पर कहा, ''कब तक देश की जनता गुस्से में रहेगी।

सेवा संकल्प अभियान-नगरी वन विश्राम गृह में रोपे 100 पौधे

नगरी/धमतरी। सेवा संकल्प अभियान 2026 को जनभागीदारी के माध्यम से प्रभावी और व्यापक स्वरूप देने के उद्देश्य से वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, धमतरी वनमंडल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता पर केंद्रित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में अभियान के पहले दिन नगरी स्थित वन विश्राम गृह परिसर में जनप्रतिनिधियों एवं वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की मौजूदगी में करीब 100 पौधों का रोपण किया गया। पौधरोपण के दौरान आम, सीताफल, कटहल, पारिजात, आंवला, अमरूद, गुलमोहर, काजू, जामुन सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और पौधों की देखभाल के प्रति जागरूक करते हुए प्रकृति संरक्षण में सामूहिक भागीदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में सिहावा विधायक अंबिका मरकाम, वरिष्ठ कांग्रेसी भानेंद ठाकुर, नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा, उपाध्यक्ष विकास बोहरा, भाजपा महामंत्री रूपेंद्र साहू, मंडल अध्यक्ष राजेश नाथ गोसाईं, जनपद सभापति प्रेमलता नागवंशी, पिंकी ध्रुव, पार्षद चेलेश्वरी साहू, अंबिका ध्रुव एवं डिगेश्वरी साहू, सभापति अश्विनी निषाद, विकास सोनी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वन विभाग की ओर से उप मंडलाधिकारी संजय रौतिया, रेंजर किन्नू जोशी सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। धमतरी वनमंडल द्वारा आयोजित यह तीन दिवसीय अभियान केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वच्छता, जलस्रोतों के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति नागरिकों में जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर भी केंद्रित है। विभाग का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से सेवा, स्वच्छता और प्रकृति संरक्षण को एक साझा अभियान का स्वरूप देना है। डीएफओ धमतरी कृष्ण जाधव ने जिलेवासियों से सेवा संकल्प अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि पौधरोपण, स्वच्छता और जलस्रोतों के संरक्षण जैसे छोटे-छोटे प्रयास सामूहिक रूप से पर्यावरण संरक्षण के बड़े जनअभियान का रूप ले सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से अभियान की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए स्वच्छ, हरित और पर्यावरण-संवेदनशील धमतरी के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

संगठन सृजन अभियान के प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए बलौदाबाजार शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सेन

बलौदाबाजार। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत रायपुर के जोरा स्थित प्रतिष्ठा मांगलिक भवन में आयोजित तीन दिवसीय ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एवं मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण शिविर में बलौदाबाजार शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सेन ने सहभागिता की। रायपुर संभाग के विभिन्न ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों एवं मास्टर ट्रेनों के लिए आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने को लेकर विस्तृत प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस संगठन को वार्ड, बूथ और जमीनी स्तर तक मजबूत करना, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा कांग्रेस की विचारधारा और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाना रहा। प्रशिक्षण के दौरान संगठन संचालन, कार्यकर्ताओं की भूमिका, जनसंपर्क, सामाजिक समरसता, धर्मनिरपेक्षता तथा संगठनात्मक गतिविधियों को निरंतर सक्रिय रखने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। शिविर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने संगठन को मजबूत करने, भाजपा सरकार की नाकामियों को जनता के समक्ष प्रभावी ढंग से रखने तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन के लिए कार्य करने का आह्वान किया। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में युवाओं की भूमिका और उनकी सक्रिय भागीदारी पर विस्तार से प्रकाश डाला। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वर्तमान राजनीति में धर्म एवं धर्मनिरपेक्षता के महत्व पर मार्गदर्शन दिया।

पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने छत्तीसगढ़ सरकार के राजस्व तथा जनकल्याणकारी योजनाओं में होने वाले व्यय से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी। इसी क्रम में पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने सत्ता और संगठन के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता पर विचार रखे। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष धनेन्द्र साहू ने कृषि एवं सिंचाई के क्षेत्र में कांग्रेस सरकारों के योगदान की जानकारी दी। वहीं एआईसीसी से आए सौरभ वाजपेयी ने देश के निर्माण में स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आजादी के बाद तक कांग्रेस के योगदान और उसकी ऐतिहासिक भूमिका पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण शिविर के दौरान संगठन को मजबूत बनाने के लिए वार्ड से लेकर बूथ स्तर तक नियमित संपर्क, सक्रिय कार्यकर्ता नेटवर्क, जनसमस्याओं को प्राथमिकता तथा जनता के बीच निरंतर उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बलौदाबाजार शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सेन ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत प्राप्त प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा और दिशा मिली है।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में मिली सीख को बलौदाबाजार शहर के प्रत्येक वार्ड और बूथ तक पहुंचाकर संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की असली ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता हैं और मजबूत संगठन के माध्यम से ही जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जा सकता है। प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रवीण सेन ने कहा कि यह प्रशिक्षण केवल प्रमाण पत्र प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि संगठन को मजबूत करने के लिए मिली जिम्मेदारी को जमीन पर उतारना ही इसकी वास्तविक सफलता होगी।

सेवा संकल्प अभियान : पक्की छत ने बदली हनीफबेग के परिवार की जिंदगी

बलौदाबाजार। नगर पंचायत रोहांसी के वार्ड क्रमांक 14 निवासी हनीफ बेग का वर्षों पुराना पक्के मकान का सपना प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत साकार हुआ है। पहले कच्चे मकान में रहने के दौरान उन्हें और उनके परिवार को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। बारिश के दिनों में घर में पानी आने के साथ ही कीड़े-मकोड़े, चूहे, सांप और बिच्छू जैसे जीवों का डर भी बना रहता था। हर साल बारिश के मौसम में घर की मरम्मत करवाने पर काफी खर्च हो जाता था। निम्न आय वर्ग से होने के कारण बार-बार होने वाला यह अतिरिक्त खर्च परिवार के लिए परेशानी का सबब बनता था। ऐसे में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत होना उनके लिए नई उम्मीद लेकर आया। योजना के तहत पक्का मकान बनने के बाद अब हनीफ बेग का परिवार सुरक्षित और बेहतर आवास में सुकून से रह रहा है। पक्की छत ने उन्हें बारिश और खराब मौसम से होने वाली परेशानियों से राहत दी है। इसके साथ ही अपने पक्के घर का सपना पूरा होने से परिवार के आत्मसम्मान में भी वृद्धि हुई है। हनीफ बेग कहते हैं कि पहले हर बारिश के मौसम में घर को लेकर चिंता बनी रहती थी।

गणेश स्थल झांकी आमदी का महापौर रामू रोहरा ने किया शुभारंभ

धमतरी। नगर पंचायत आमदी में आयोजित स्थल झांकी कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिक निगम धमतरी के महापौर जगदीश रामू रोहरा ने फीता काटकर किया। महापौर ने विधिवत पूजा.अर्चना के पश्चात स्थल झांकी का उद्घाटन किया और विभिन्न स्थानों पर सजाई गई आकर्षक झांकियों का अवलोकन कर आयोजन समिति एवं श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महापौर रामू रोहरा ने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों से हमारी समृद्ध परंपराओं और संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का अवसर मिलता है। ऐसे आयोजन समाज में आपसी भाईचारा, सद्भाव और एकता की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति द्वारा की गई तैयारियों की सराहना करते हुए कहा कि श्रद्धा और भक्ति के साथ किए जाने वाले ऐसे आयोजन क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूती प्रदान करते हैं। महापौर ने झांकियों का भ्रमण कर वहां प्रस्तुत धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रसंगों का अवलोकन किया। उन्होंने आयोजन से जुड़े सदस्यों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली और उपस्थित श्रद्धालुओं से भी मुलाकात की। उनके पहुंचने पर आयोजन समिति एवं नागरिकों ने उनका स्वागत किया। नगर पंचायत आमदी के विभिन्न स्थानों पर आकर्षक स्थल झांकियां सजाई गईं, जिनमें धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रसंगों को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया। झांकियों के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं नागरिक पहुंचे। पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्सव का माहौल बना रहा। इस अवसर पर आयोजन समिति के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गणेश विसर्जन के लिए नगर निगम ने की व्यापक व्यवस्था

25 एवं 26 सितंबर को होगा विसर्जन, चिन्हांकित तालाबों में ही प्रतिमा विसर्जन अनिवार्य

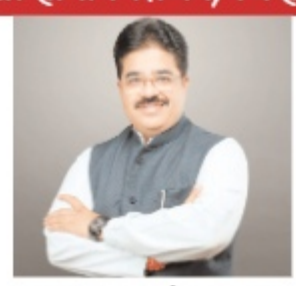

धमतरी। गणेशोत्सव के समापन अवसर पर भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर नगर पालिक निगम धमतरी ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। श्रद्धालुओं की सुविधाए सुरक्षा और सुचारू व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए 25 एवं 26 सितंबर को होने वाले गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। महापौर जगदीश रामू रोहरा ने कहा कि गणेश विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए नगर निगम द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। छोटी गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए शीतला तालाब, खोड़िया तालाब, बनिया तालाब एवं रत्नाबांधा तालाब को चिन्हांकित किया गया है। इन सभी स्थानों पर निगम का अमला मौजूद रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी करेगा। महापौर रोहरा ने कहा कि गणेश विसर्जन हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सभी गणेश उत्सव समितियां एवं श्रद्धालु निर्धारित स्थलों पर ही प्रतिमाओं का विसर्जन करें तथा सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं में निगम का सहयोग करें। आयुक्त अरुण कुमार वर्मा द्वारा विसर्जन व्यवस्था को लेकर आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार नगर निगम द्वारा जिन स्थानों को गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए चिन्हांकित किया गया। विसर्जन उन्हीं निर्धारित स्थलों पर किया जाएगा। अन्य स्थानों पर गणेश प्रतिमा विसर्जन पूर्णतः वर्जित रहेगा। उपायुक्त पी सी सार्वा ने बताया कि भव्य रहेगा विसर्जन स्थलों पर अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। निगम द्वारा सीसीटीवी, प्रकाश व्यवस्था, साफ सफाई, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही है। विसर्जन के पश्चात भी संबंधित स्थलों की सफाई के लिए निगम का अमला तैनात रहेगा। निगम ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि प्रतिमा के साथ आने वाली पूजन सामग्री एवं निर्माल्य तालाब में न डालेंए बल्कि निगम द्वारा निर्धारित स्थान पर ही रखें। इससे जलस्रोतों की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकेगा। नगर निगम धमतरी ने सभी गणेश उत्सव समितियों एवं शहरवासियों से अपील की है कि 25 एवं 26 सितंबर को निर्धारित विसर्जन स्थलों पर ही प्रतिमाओं का विसर्जन करें। अन्य किसी स्थान पर विसर्जन करने से बचें और नगर निगम की व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान करें।

आयुर्वेद को जन-जन तक पहुंचाने हो रहा सार्थक प्रयासः महापौर रामू रोहरा

धमतरी। सेवा स्वास्थ्य अभियान 2026 एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयुष पॉलीक्लिनिक धमतरी में स्वास्थ्य हेतु मिलाएं आयुर्वेद विषय पर संगोष्ठी, जिला स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेला एवं बच्चों के लिए स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम धमतरी के महापौर जगदीश रामू रोहरा शामिल हुये। इस अवसर पर महापौर रामू रोहरा ने कहा कि आयुर्वेद हमारी प्राचीन चिकित्सा परंपरा ही नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का आधार है। बदलते समय के साथ आयुर्वेद आधुनिक तकनीक से जुड़कर और अधिक लोगों तक पहुंच रहा है। ई-हॉस्पिटल के माध्यम से लोग विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त करने की सुविधा का लाभ भी उठा सकते हैं। महापौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से देश में आयुर्वेद और भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को नई पहचान मिली है। आयुर्वेद को जन.जन तक पहुंचाने तथा लोगों को स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूक करने के लिए ऐसे स्वास्थ्य मेलों का आयोजन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि परंपरा से प्रगति की ओर बढ़ते हुए हमें अपनी पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ना होगा। आयुर्वेद के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर भी विशेष ध्यान देना आवश्यक है। कार्यक्रम में जिला पंचायत सभापति मोनिका देवांगन, डा कृपाराम ठाकुर जिला आयुष अधिकारी, डा मनीष पटेल लेक्चर शासकीय महाविद्यालय रायपुर, डॉ प्रवीण चंद्राकर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, डा दिनेश नाग आयुष चिकित्सक धमतरी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग एवं आयुष विभाग के अधिकारियों, चिकित्सकों तथा जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। स्वास्थ्य मेले में लोगों को विभिन्न आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवाओं एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई तथा बच्चों के लिए स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। महापौर ने आयोजन के लिए आयुष विभाग की पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं।

धमतरी जिलाध्यक्ष तारिणी चंद्राकर की मौजूदगी में ब्लॉक अध्यक्ष, मास्टर ट्रेनर्स सम्मानित

रायपुर संभाग का कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर संपन्न

धमतरी। कांग्रेस संगठन की मजबूती के लिए संगठन सृजन अभियान के तहत रायपुर संभाग के ब्लॉक अध्यक्षों एवं मास्टर ट्रेनर्स हेतु आयोजित तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का भव्य और गरिमामय समापन हुआ। इस गौरवशाली अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी धमतरी की अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर विशेष रूप से शामिल हुईं और उन्होंने धमतरी जिले के प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। शिविर के समापन सत्र में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के यशस्वी अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत एवं उपस्थित सभी वरिष्ठ नेताओं के कर.कमलों से धमतरी जिले के सभी प्रशिक्षित ब्लॉक अध्यक्ष योगेश शर्मा, गौतम वाधवानी, खिलेन्द्र ध्रुव, महिम शुक्ला, होमेंन्द्र साहू, विनीत बाफना, अखिलेश दुबे, अनवर रज़ा, राजू सोम और मास्टर ट्रेनर्स राजेश साहू, कृष्णा मरकाम को उनकी सक्रिय भागीदारी और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष तारिणी चंद्राकर ने कहा कि इस तीन दिवसीय गहन प्रशिक्षण शिविर से हमारे ब्लॉक अध्यक्षों और मास्टर ट्रेनर्स को संगठनात्मक कौशल, कांग्रेस की विचारधारा और जन.जन तक पार्टी की नीतियों को पहुंचाने की आधुनिक तकनीकों का बहुमूल्य ज्ञान मिला है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशिक्षण प्राप्त यह सभी साथी धमतरी जिले में संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत व गतिशील बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे। प्रशस्ति पत्र पाकर धमतरी जिले के ब्लॉक अध्यक्ष और मास्टर ट्रेनर्स बेहद उत्साहित नजर आए। उन्होंने नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए पूरी निष्ठा के साथ संगठन सृजन अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। समापन समारोह में प्रदेश व संभाग स्तर के कई वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, पदाधिकारी और भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सेवा संकलल्प अभियान अंतर्गत सभी कार्यक्रमों का बेहतर आयोजन सुनिश्चित हो : कैबिनेट मंत्री जायसवाल

अंगदान का संकल्प लेने वालों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

बलौदाबाजार। जिले के प्रभारी एवं स्वस्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मंगलवार को जिला प्रवास के दौरान संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष मे सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान अंगदान का संकल्प लेने वाले 5 दानदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया और उन्हें प्रेरणास्रोत बताया। अंगदान संकल्प लेने वालों मे जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, फिरतराम साहू, पुष्पा साहू, भाटापारा से वेदराम आनंद एवं रेशमा बाई शामिल हैं। प्रभारी मंत्री जायसवाल ने 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान को अति महत्वपूर्ण बताते हुए सभी कार्यक्रमो का बेहतर आयोजन सुनिश्चित करने एवं अधिक से अधिक जनसहभागिता हेतु आवश्यक निर्देश एवं मार्गदर्शन दिये। उन्होंने आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का जिले मे बेहतर आयोजन की सराहना की और आगामी सभी कार्यक्रम को गरिमापूर्ण आयोजन की बात कही।

बैठक मे आगामी सभी कार्यक्रमों की तैयारी के सम्बन्ध मे विस्तृत समीक्षा की।उन्होंने मेरे सपनों का भारत कार्यक्रम अंतर्गत विद्यालय स्तर से ब्लॉक एवं जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिये विद्यार्थियों की संख्या निर्धारण करने कहा। आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम अंतर्गत अंगाबाड़ी कार्यकर्त्ता,सहायिका मितानिन का सम्मान,गर्भवती माताओ व बच्चों का हेल्थ चेक -अप एवं खेलकूद आयोजित करने के निर्देश दिये। सेवा की कहानी अंतर्गत लाभार्थियों की सफलता की कहानी सभी मीडिया प्लेटफार्म मे जारी करने, सेवा मेरा योगदान अंतर्गत स्वच्छता अभियान गांव, शहरों, नदी, घाट, तालाब आदि की सफाई जनसहभागिता से करें। उन्होंने सेवा सेतु शिविर के सम्बन्ध मे कहा कि सभी ब्लॉक मे एक- एक चिह्नांकित गांव मे आयोजित करना है जिसमें जिला स्तरीय अधिकारियो की टीम मौजूद रहेंगे। शिविर मे मेगा हेल्थ कैम्प का विशेष रूप से आयोजन किया जाए। शिविर का उद्देश्य आने वाले आवेदको को लाभार्थी बनाकर वापस भेजने का हो। उनके समस्याओ का तत्काल निराकरण होना चाहिए।

बैठक मे कलेक्टर कुलदीप शर्मा, डीएफओ पंकज कमल, सीईओ जिला पंचायत सुदिव्या अग्रवाल, जिला अध्यक्ष आनंद यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

महाविद्यालय में स्वच्छ भारत मिशन पर नुक्कड़ नाटक का मंचन

सरायपाली। स्वर्गीय राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय में यू. के. बरिहा (कार्यक्रम अधिकारी-सामान्य इकाई) प्राची गुप्ता (कार्यक्रम अधिकारी-महिला इकाई), शब्या पटेल (विभाग अध्यक्ष रसायन शास्त्र) एवं, के.एस. पटेल (विभाग अध्यक्ष जंतु विज्ञान) के संयुक्त मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छ भारत मिशन पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। स्वच्छ भारत मिशन भारत सरकार द्वारा भारत को स्वच्छ बनाने के लिए शुरू की गई एक अनूठी पहल है। स्वच्छ भारत मिशन भारत सरकार द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया था। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य भारत को स्वच्छ बनाने के लिए जागरूकता फैलाना है। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अपने घरों, कार्यस्थलों एवं सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए संदेश देने का प्रयास किया। पॉलिथीन के दुष्परिणाम, घरेलू कचरो के उचित प्रबंधन(हरे एवं नीले कूड़ा पात्र) एवं स्वच्छता के महत्व के बारे में अभिनय के माध्यम से बताया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक प्रभात सिंह सिदार, नम्रता कश्यप, दामिनी बाघ ,नीतू बरिहा, शोभित भाई, पंकज पटेल, टेकचंद यादव एवं समीर गहिर द्वारा नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया।प्राचार्य डॉक्टर संध्या भोई द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी, जन सामान्य एवं बड़ी संख्या में छात्र /छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पी.बाघ ने एवं आभार प्रदर्शन प्राची गुप्ता ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

संक्षिप्त समाचार

जुए के फड़ पर पुलिस की दबिश 11 जुआरी गिरफ्तार

कोरबा। जिले में जुए के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सिंघाली के जंगल में चल रहे जुए के फड़ पर छापा मारा है। थाना बांकीमोंगरा, दीपका और कटघोरा पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए मौके से 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकद रकम, मोबाइल फोन और 15 दोपहिया वाहन समेत कुल 11 लाख 56 हजार 500 की संपत्ति जब्त करने की जानकारी दी है। पुलिस के अनुसार, 21 सितंबर 2026 को बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र के सिंघाली जंगल में जुआ खेले जाने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर बांकीमोंगरा, दीपका और कटघोरा पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखते ही जुआरियों में हड़कंप मच गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 11 लोगों को जुआ खेलते हुए मौके से गिरफ्तार किया। आरोपियों के खिलाफसंबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नकली लेबल-होलो ग्राम से शराब पैकिंग का नेटवर्क पकड़ा

रायपुर। अवैध शराब के कारोबार और नकली लेबल-होलोग्राम के जरिए शराब की पैकेजिंग करने वाले नेटवर्क के खिलाफ राजनांदगांव पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अपराध क्रमांक 537/2026 की विवेचना में पुलिस ने 62 नग अवैध शराब, कुल 11.160 लीटर, नकली लेबल, होलोग्राम स्टीकर, ढक्कन, मोबाइल फोन और दो वाहनों समेत करीब 1.50 लाख रुपए की सामग्री जब्त की है। इस प्रकरण में अब तक 12 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस के अनुसार 21 सितंबर को गिरफ्तार आरोपियों में मोहारा निवासी कुमार वर्मा, दिनेश्वरी वर्मा, पूरन वर्मा, राजेश्वर वर्मा, डोंगरगढ़ निवासी ओमप्रकाश साहू और मुढ़िया निवासी गौतम बाई शामिल हैं। कुमार वर्मा के कब्जे से ग्रैंड आई10 कार और 21 नग रॉयल गोआ व्हिस्की जब्त की गई। पूरन वर्मा से अधजला होलोग्राम स्टीकर, जम्मू शराब का लेबल और मोबाइल बरामद हुआ। राजेश्वर वर्मा के पास से 15 होलोग्राम स्टीकर, शराब का लेबल और पांच ढक्कन मिले। ओमप्रकाश साहू से रॉयल गोआ और सुपर छत्तीसगढ़ शराब की 21 बोतल, मोबाइल और बिना नंबर की एक्टिवा स्कूटी जब्त की गई। वहीं गौतम बाई के पास से 20 नग रॉयल गोआ स्ट्रीट व्हिस्की मिली, जिन पर उत्तराखंड का लेबल लगा था।

रायपुर में चोरी, हादसे और अवैध शराब के छह मामले दर्ज

रायपुर। राजधानी में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी, सड़क हादसे और अवैध शराब के मामले सामने आए हैं। पुलिस ने संबंधित मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जयस्तंभ लाइन थाना क्षेत्र में खजाना चौक-कलेक्ट्रेट गार्डन के पास सिग्नल के लिए लगाए गए जंक्शन बॉक्स से अज्ञात चोर करीब 99 हजार रुपए का विद्युत सामान चोरी कर ले गए। इसमें हार्डवेयर पीएमयू पैनल सेट, आइसोलेशन ट्रांसफार्मर, सिग्नल एर्कान बॉक्स, एसीडीसी चार्जर और 14 कोर पावर केबल शामिल हैं। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मौदहापारा थाना क्षेत्र में एसके प्लाजा के सामने से प्रमोद जायसवाल की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 04 एचएस 5751 चोरी हो गई। बाइक की कीमत करीब 12 हजार रुपए बताई गई है।

आयुर्वेद भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर

आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को भी दे रहे बढ़ावा

- रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक, आपका रक्त किसी जरूरतमंद को दे सकता है नया जीवन : मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है। रक्तदाता द्वारा दिया गया रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाकर उसके परिवार के लिए नई उम्मीद बन सकता है। आज बड़ी संख्या में माताओं-बहनों, युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों का रक्तदान, देहदान और अंगदान के लिए आगे आना सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक दायित्व की प्रेरणादायी मिसाल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित आयुर्वेद सेवा सम्मेलन, रक्तदान महाकुंभ एवं वृहद स्वास्थ्य जांच शिविर को संबोधित करते समय यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सभी को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस की शुभकामनाएं दीं और रक्तदान, देहदान एवं अंगदान का संकल्प लेने वाले नागरिकों के सेवा भाव की सराहना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से प्रदेशभर में सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनसेवा और जनकल्याण के विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सेवा का यह अभियान समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ रहा है। रक्तदान से लेकर जरूरतमंद बच्चों के लिए पुस्तक, खिलौने और स्टेशनरी एकत्रित करने तक अनेक गतिविधियां इस अभियान को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप दे रही हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर आयोजित आयुर्वेद सेवा सम्मेलन और रक्तदान महाकुंभ इसी सेवा भावना का सशक्त उदाहरण है। विशेष रूप से इतनी बड़ी संख्या में माताओं-बहनों का रक्तदान के लिए आगे आना अत्यंत प्रेरणादायी है। एक ही दिन में 1000 से अधिक महिलाओं ने रक्तदान कर मानव सेवा की अनुपम मिसाल प्रस्तुत की है। इस ऐतिहासिक पहल का गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है।

रक्तदान महाकुंभ में सेवा और जनभागीदारी की ऐतिहासिक तस्वीर देखने को मिली। आयोजन के लिए 3600 से अधिक महिलाओं ने रक्तदान हेतु पंजीयन कराया था और रक्तदान के लिए 200 बेड की व्यवस्था की गई। एक ही दिन में 1000 से अधिक महिलाओं के रक्तदान की पहल को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को इस उपलब्धि का प्रमाणपत्र एवं मेडल प्रदान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस उपलब्धि पर सभी रक्तदाताओं को बधाई देते हुए कहा कि रक्तदान का महत्व केवल आंकड़ों या रिकॉर्ड तक सीमित नहीं है। रक्त की प्रत्येक यूनिट किसी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवन की नई आशा है। रक्तदान के लिए आगे आने वाला प्रत्येक व्यक्ति मानवता की सेवा में अपना अमूल्य योगदान देता है। रक्तदान महाकुंभ में महिला एवं पुरुषों की बड़ी भागीदारी रही। आयोजन में लगभग 2500 यूनिट रक्तदान का लक्ष्य रखा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में रक्तदान के प्रति बढ़ती जागरूकता और युवाओं तथा महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी सेवा के संस्कारों को और मजबूत करती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत देहदान और अंगदान का संकल्प लेने वाले नागरिकों की विशेष सराहना की। कार्यक्रम में 31 लोगों ने देहदान का संकल्प लिया, जिनमें पद्मश्री एवं धरसींवा विधायक श्री अनुज शर्मा भी शामिल रहे। प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत अब तक 103 लोगों द्वारा देहदान का संकल्प लिया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन के बाद भी किसी के काम आने का संकल्प मानव सेवा की अत्यंत प्रेरणादायी भावना है। देहदान चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, वहीं अंगदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने इस पुनीत संकल्प से जुड़ने वाले सभी नागरिकों को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है।

रायपुर में बीजेपी पार्षद की कार पर पथराव.....

- पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया है

रायपुर। राजधानी रायपुर में बीजेपी पार्षद और जोन 8 के अध्यक्ष प्रीतम ठाकुर की कार पर पथराव करने का मामला सामने आया है। घटना में कार का कांच टूट गया। पार्षद ने समर्थकों के साथ कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। बताया गया कि सोमवार रात प्रीतम ठाकुर परिवार के साथ गणेश दर्शन के लिए निकले थे। इसी दौरान दो बाइक सवार युवकों ने उनका पीछा किया। बैरनबाजार स्थित बाठिया नर्सिंग होम के पास बाइक सवारों ने उनकी कार रुकवाई और पत्थर मारकर कार का कांच तोड़ दिया। इसके बाद दोनों मौके से फरार हो गए। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आमापारा इलाके में पार्षद और दोनों बाइक सवार युवकों के बीच बाइक चलाने को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि इसी विवाद के बाद दोनों युवकों ने बैरनबाजार में पार्षद की कार पर पथराव किया। घटना के बाद पार्षद समर्थकों के साथ कोतवाली थाना पहुंचे और अज्ञात आरोपियों के खिलाफशिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आदित्य सिंह ठाकुर (22), निवासी खो-खो पारा और कृष यादव (19), निवासी खो-खो पारा को गिरफ्तार किया है।

सेवा की कहानी: स्वच्छता से संवर रहा शहर, अब आत्मनिर्भर बन रहा परिवार..

- श्रीमती प्रतिमा टोप्पो ने कचरा संग्रहण को बनाया रोजगार का जरिया, हर माह 12 से 15 हजार रुपये की आय

रायपुर। स्वच्छता केवल शहरों को साफ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि आज यह अनेक परिवारों के लिए सम्मानजनक रोजगार और आत्मनिर्भरता का आधार भी बन रही है। बलरामपुर की श्रीमती प्रतिमा टोप्पो की कहानी इसका प्रेरक उदाहरण है। स्वच्छाग्रही के रूप में कार्य करते हुए वे घर-घर से कचरा एकत्र करती हैं, उसका पृथक्करण करती हैं और पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। स्वच्छता से जुड़ी इस सेवा ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्रीमती प्रतिमा टोप्पो प्रतिदिन रिक्शे से घर-घर पहुंचकर कचरा संग्रहण करती हैं। एकत्रित कचरे को सेग्रीगेशन शेड तक पहुंचाने के बाद वे उपयोगी एवं पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को अलग करती हैं। इस सामग्री की बिक्री से उन्हें अतिरिक्त आमदनी प्राप्त होती है। उन्हें स्वच्छता कार्य के लिए लगभग 8 हजार रुपये मासिक मानदेय मिलता है, जबकि पुनर्चक्रण योग्य सामग्री की बिक्री से 4 से 5 हजार रुपये प्रतिमाह अतिरिक्त आय हो जाती है। इस प्रकार वे हर माह लगभग 12 से 15 हजार रुपये तक अर्जित कर रही हैं। श्रीमती प्रतिमा टोप्पो बताती हैं कि पहले परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में कठिनाई होती थी। स्वच्छता कार्य से जुड़ने के बाद अब वे परिवार के राशन और अन्य जरूरी खर्चों में आर्थिक सहयोग कर पा रही हैं। अपने श्रम से होने वाली आय ने उनमें आत्मविश्वास बढ़ाया है और उन्हें अपने परिवार के लिए आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बनाया है। उनके लिए स्वच्छता का यह कार्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि सम्मान के साथ आत्मनिर्भर बनने का अवसर है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत दुर्ग में जल संरक्षण और जनसेवा की अभिनव पहल

- शिवनाथ नदी तट पर स्वच्छता-वृक्षारोपण, वहीं सेवा सेतु शिविर में नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण

रायपुर/ संवाददाता

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दुर्ग जिले में पर्यावरण संरक्षण, जल संसाधनों के संवर्धन और नागरिकों को शासकीय सेवाएं उनके द्वार तक उपलब्ध कराने की दिशा में विभिन्न जनभागीदारी आधारित गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में तांदुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग द्वारा ग्राम महमरा स्थित शिवनाथ नदी तट पर स्वच्छता, वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण का समन्वित अभियान चलाया गया, वहीं नगर निगम दुर्ग द्वारा 12 वार्डों के नागरिकों के लिए सेवा सेतु शिविर आयोजित कर विभिन्न शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया गया। तांदुला जल संसाधन संभाग द्वारा आयोजित अभियान का उद्देश्य शिवनाथ नदी के तटवर्ती पर्यावरण का संरक्षण, जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाना, हरित आवरण का विस्तार तथा जल संसाधनों के सतत एवं विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति सामुदायिक उत्तरदायित्व को मजबूत करना रहा। अधीक्षण अभियंता सह कार्यपालन अभियंता श्री आशुतोष सारस्वत के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी श्री गौरव सिंह, श्री रोहन शॉ एवं श्री कुलेश्वर जोशी सहित विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान कर नदी तट एवं आसपास के क्षेत्र से प्लास्टिक, पॉलीथिन एवं अन्य ठोस अपशिष्ट की सफाई की। कार्यक्रम में नगर निगम दुर्ग के सभापति श्री श्याम शर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे। अभियान के दौरान शिवनाथ नदी तट पर वृक्षारोपण कर हरित आवरण के संवर्धन का संदेश दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि नदी तट पर वृक्षारोपण मृदा अपरदन को नियंत्रित करने, सतही जल के बहाव को विनियमित करने, तटीय स्थायित्व बढ़ाने तथा स्थानीय जैव-विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ग्रामीणों एवं नागरिकों को जल संरक्षण के व्यापक स्वरूप से अवगत कराते हुए वर्षाजल संरक्षण, स्थानीय जल संचयन, भू-जल पुनर्भरण, जल उपयोग दक्षता तथा जल स्रोतों में कचरा नहीं डालने के लिए जागरूक किया गया।

किसान रामशरण को मिली 5 हजार से अधिक की राहत.....

- पारिवारिक हकत्याग में शुल्क घटा, किसान रामशरण को मिली 5 हजार रुपये से अधिक की राहत

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में नागरिक सेवाओं को सरल, सुगम और मितव्ययी बनाने के लिए किए जा रहे सुधारों का लाभ अब सीधे आम नागरिकों तक पहुंच रहा है। पंजीयन विभाग द्वारा पारिवारिक संपत्ति के हकत्यागनामा के पंजीयन शुल्क में की गई कमी ने परिवारों के लिए संपत्ति संबंधी प्रक्रिया को आसान बनाया है। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत विभाग से जुड़े हितग्राहियों से संवाद के दौरान गरियाबंद जिले के ग्राम कुम्ही निवासी किसान श्री रामशरण चंद्राकर ने इस बदलाव से मिली आर्थिक राहत का अनुभव साझा किया। वित्त एवं पंजीयन मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में किए गए शुल्क सुधार के तहत संयुक्त परिवार के सदस्यों के बीच पारिवारिक हकत्यागनामा के पंजीयन शुल्क को संपत्ति के बाजार मूल्य के 0.8 प्रतिशत से घटाकर मात्र 500 रुपये किया गया है। इस निर्णय का प्रत्यक्ष लाभ किसान श्री रामशरण चंद्राकर को मिला। उन्हें हकत्यागनामा के पंजीयन में करीब 5,100 रुपये की बचत हुई। श्री रामशरण चंद्राकर ने बताया कि परिवार की संपत्ति में उनकी बहन का नाम दर्ज होने के कारण कृषि से जुड़े कार्यों में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता था। पारिवारिक हकत्यागनामा के माध्यम से संपत्ति संबंधी अधिकार की प्रक्रिया पूरी की गई। शुल्क में कमी के कारण जहां यह प्रक्रिया उनके लिए पहले की तुलना में काफी कम खर्च में पूरी हुई, वहीं करीब 5,100 रुपये की बचत भी हुई।

योजना की बूँदों से... खिली आत्मनिर्भरता

रायपुर। जब शासन की नीतियाँ धरातल पर उतरती हैं और ग्रामीणों की मेहनत से जुड़ती हैं, तो वे बदलाव का एक नया इतिहास रचती हैं। ऐसी ही एक सुखद और प्रेरणादायक तस्वीर धमतरी जिले के मगरलोड विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत केकराखोली से सामने आई है। यहाँ सेवा संकल्प अभियान के तहत निर्मित एक आजीविका डबरी ने स्थानीय निवासी श्री जगदेव पिता श्री मंगलू राम के परिवार को आत्मनिर्भरता की नई दिशा दी है। वर्षों से सीमित संसाधनों और पारंपरिक खेती-किसानी के सहारे अपने परिवार का गुजर-बसर करने वाले जगदेव के लिए दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के बाद बचत कर पाना बेहद कठिन था। उनके पास कोई ऐसा स्थायी साधन नहीं था जिससे वे अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर सकें। परिवार की इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष 2026 में वीबी-जी रामजी योजना के अंतर्गत जगदेव के लिए आजीविका डबरी निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया। शासन की इस जनकल्याणकारी पहल ने उनके खेत में न केवल एक स्थायी जल संसाधन तैयार किया, बल्कि भविष्य के लिए आजीविका का एक मजबूत आधार भी खड़ा कर दिया। वर्तमान में यह डबरी लबालब पानी से भरी हुई है। जल की पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए जगदेव ने इसे केवल जल संग्रहण तक सीमित न रखकर इसमें मछली पालन शुरू करने का निर्णय लिया है।

उप मुख्यमंत्री ने किया नि:शुल्क विशाल दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर का शुभारंभ

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना ही सेवा का उद्देश्य है-उपमुख्यमंत्री

- भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर, सकल जैन समाज एवं भारतीय जैन संगटना की पहल से दिव्यांगजनों को मिला सहारा
- कृत्रिम हाथ ने उठाया गिलास, कृत्रिम पैर ने दौड़ाई बाइक, दिव्यांगजनों के जीवन में लौटा आत्मविश्वास

रायपुर संवाददाता

जिन हाथों ने वर्षों से किसी का सहारा लिया, वही आज खुद गिलास उठाकर पानी पी रहे थे। जिन पैरों ने कभी साथ छोड़ दिया था, वही कृत्रिम पैर लगने के बाद बाइक चला रहे थे। कबीरधाम जिले के पीजी कॉलेज डोम कवर्धा में बुधवार को ये दृश्य सिर्फ एक शिविर की तस्वीर नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों के जीवन में लौटती उम्मीद, बढ़ते आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की नई शुरुआत रही। इस बदलाव के बीच उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा दिव्यांगजनों के बीच पहुंचे और नि:शुल्क विशाल दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर का शुभारंभ करते हुए हितग्राहियों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्रदान किए। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर, सकल जैन समाज एवं भारतीय जैन संगटना (छत्तीसगढ़) और जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित शिविर में करीब एक हजार दिव्यांगजनों का पंजीयन हुआ है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने शिविर में दिव्यांगजनों से मुलाकात की और उन्हें कृत्रिम हाथ-पैर सहित विभिन्न सहायक उपकरण प्रदान किए। शिविर में कृत्रिम हाथ-पैर, कैलिपर्स, ट्राइसाइकिल सहित जरूरत के अनुसार अन्य उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उपकरण प्राप्त करने के बाद हितग्राहियों ने उनका उपयोग कर अपनी क्षमता का प्रदर्शन भी किया। एक हितग्राही ने कृत्रिम पैर की सहायता से बाइक चलाकर दिखया, वहीं एक अन्य दिव्यांगजन ने कृत्रिम हाथ से पानी पीकर बताया कि यह सुविधा उसके दैनिक

जीवन को किस तरह आसान बना सकती है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए आयोजित यह शिविर अद्भुत सेवा का उदाहरण है। जैन समाज सेवा कार्यों में हमेशा आगे रहा है। उन्होंने कहा कि कवर्धा में रहते हुए उन्होंने जैन समाज को बहुत करीब से देखा है। जैन समाज के जीवन में एक ओर समृद्धि और सामाजिक दायित्व है, तो दूसरी ओर त्याग और सेवा की प्रबल भावना भी है। यही संतुलन समाज को सेवा कार्यों के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने बताया कि शिविर के लिए लगभग एक हजार दिव्यांगजनों का पंजीयन हुआ है। श्रवण, दृष्टि और अस्थि बाधित दिव्यांगजनों सहित जरूरत के अनुसार कैलिपर, कृत्रिम पैर, हाथ एवं अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उपकरण केवल हाथ-पैर का सहारा नहीं हैं, बल्कि इनके मिलने के बाद व्यक्ति के जीवन में आने वाला बदलाव अधिक महत्वपूर्ण है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने एक दिव्यांगजन का उदाहरण देते हुए बताया कि बिजली के तार की चपेट में आने से उसके दोनों हाथ चले गए थे। शिविर में कृत्रिम हाथ मिलने के बाद उसने पहली बार अपने हाथ से पानी का गिलास उठाया। उन्होंने कहा कि उस समय उसके मन में क्या भाव रहे होंगे, इसे वही व्यक्ति समझ सकता है। कृत्रिम हाथ-पैर की कीमत से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि इनके मिलने से दिव्यांगजन के जीवन में कितना बदलाव आता है और उसका आत्मविश्वास कितना बढ़ता है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार वर्षों से कवर्धा में इस तरह के सेवा कार्य लगातार हो रहे हैं। उन्होंने भारतीय जैन संगठन, भगवान महावीर विकलांग सेवा समिति, सकल जैन समाज और एनएसई फाउंडेशन के सहयोग की सराहना की। उन्होंने राजस्थान से आई विशेषज्ञ टीम द्वारा मौके पर ही कृत्रिम अंग तैयार करने की प्रक्रिया भी देखी। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि इसी तरह के शिविर जगदलपुर और दंतेवाड़ा में भी आयोजित किए जाएंगे। बस्तर में आईईडी विस्फोटों के कारण दिव्यांग हुए लोगों को चिन्हांकित कर कृत्रिम हाथ-पैर उपलब्ध कराने की योजना पर काम किया जा रहा है।

संपादकीय

महंगाई की दोहरी मार, आम आदमी की जेब पर बढ़ रहा बोझ

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए खुदरा महंगाई की दर अगस्त में क्रमशः 5.23 फीसद और 4.31 फीसद दर्ज की गई। खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति सुचारु रखने, जमाखोरी और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण करने तथा किसानों को उचित उत्पादन और भंडारण सुविधाएं देने की जरूरत है।जब वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती हैं, तो इसका सबसे ज्यादा असर समाज के उस वर्ग पर पड़ता है, जिसकी आय कम होती है और संसाधनों का दायरा भी सीमित होता है। भोजन, कपड़े, मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन जैसी आवश्यकताओं पर बढ़ता खर्च इन परिवारों के बजट को बिगाड़ देता है। सरकार की ओर से बीते सोमवार को जारी महंगाई के आंकड़ों से साफ है कि आम लोगों को अब रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं के लिए अपनी जेब और ज्यादा ढीली करनी पड़ रही है।खाद्य, ईंधन एवं विनिर्मित वस्तुओं के दाम बढ़ने से अगस्त में थोक महंगाई बढ़कर 9.92 फीसद, जबकि खुदरा महंगाई 4.82 फीसद पर पहुंच गई है। इससे पिछले माह जुलाई में यह क्रमशः 9.78 फीसद और 4.45 फीसद थी। जनवरी से लागू 2024 आधार वर्ष वाली नई शृंखला के बाद से अगस्त की खुदरा महंगाई का यह आंकड़ा अब तक का सबसे अधिक है।यही नहीं, अगले माह से यूपीआइ के जरिए दो हजार रुपए से अधिक की राशि के भुगतान पर भी शुल्क लगेगा। सरकार की ओर से मंगलवार को तय की गईं शुल्क दरों में हालांकि आम लोगों के बीच यूपीआइ से लेन-देन को इससे बाहर रखा गया है, लेकिन अन्य सरकारी एवं निजी सेवाओं के लिए भुगतान पर शुल्क देना होगा। यानी आम आदमी को अब महंगाई की दोहरी मार झेलनी पड़ेगी।राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए खुदरा महंगाई की दर अगस्त में क्रमशः 5.23 फीसद और 4.31 फीसद दर्ज की गई। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण क्षेत्रों में वस्तुओं के दाम ज्यादा बढ़े हैं, जहां लोगों की आय सीमित होती है। प्याज की महंगाई दर का जुलाई के 22.54 फीसद की तुलना में अगस्त में उछलकर 48.27 फीसद पर पहुंचना दर्शाता है कि प्याज आम लोगों की रसोई से गायब होने लगा है।यही हाल लहसुन और अदरक का भी है। ऐसे में निम्न और मध्य वर्गीय परिवारों को अपनी जरूरतों में कटौती करनी पड़ रही है। आय में वृद्धि अगर महंगाई की गति से कम हो, तो घरेलू बजट को संभालना मुश्किल हो जाता है। इसमें दोराय नहीं कि अगले माह की शुरुआत में जब भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होगी, तब नीतिगत ब्याज दरों पर फैसला करने में महंगाई का यह बढ़ा हुआ स्तर एक प्रमुख कारक साबित हो सकता है।यह भी महत्त्वपूर्ण है कि महंगाई का असर केवल घरेलू बजट तक सीमित नहीं रहता। जब लोगों की क्रय शक्ति घटती है, तो बाजार में मांग भी प्रभावित होती है। यानी इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है।

गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ लोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है। यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है-सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण।

शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र

(ललित गर्ग)

लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं। लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए मानवाधिकारों को केंद्र में लाएं को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा। आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है। आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है। यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- मेरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता है। गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ लोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है। यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है-सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण। जहाँ सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा, क्रांति या रक्तपात की आवश्यकता नहीं पड़ती और मतदाता अपनी इच्छा से सरकार बदल सकता है, वहाँ लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज आवश्यक हैं। आज लोकतंत्र के सामने एक नई और जटिल चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डिजिटल तकनीक के रूप में भी सामने आई है। तकनीक लोकतंत्र को अधिक सहभागी और पारदर्शी बना सकती है। सरकारी योजनाओं की निगरानी, नागरिक शिकायतों के समाधान, नीति-निर्माण में आंकड़ों के उपयोग और जनता की राय को शासन तक पहुंचाने में एआई उपयोगी हो सकता है। लेकिन यही तकनीक गलत सूचना, डीपफेक, लक्षित दुष्प्रचार, हेट स्पीच और जनमत को प्रभावित करने का माध्यम भी बन सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई की इन संभावनाओं और जोखिमों के बीच संतुलन तथा उसके जिम्मेदार शासन की आवश्यकता पर बल दिया है। इसलिए लोकतंत्र का डिजिटल भविष्य केवल तकनीकी क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि तकनीक के पीछे मानवीय विवेक कितना मजबूत है। एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, लोकतांत्रिक विवेक का सहायक होना चाहिए। तकनीक नागरिक को नियंत्रित करने का उपकरण नहीं, नागरिक को सशक्त करने का माध्यम बने-यही लोकतांत्रिक तकनीकी संस्कृति की कसौटी होनी चाहिए। लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं। जब असहमति को दबाया जाता है, तब लोकतंत्र का संवाद समाप्त होता है और उसके स्थान पर भय जन्म लेता है। इसीलिए लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों में भी आंतरिक लोकतंत्र जरूरी है। जो राजनीतिक संगठन अपने भीतर विचार-विमर्श, पारदर्शिता और नेतृत्व परिवर्तन की स्वस्थ परंपरा नहीं रखते, वे व्यापक समाज में लोकतांत्रिक संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं? लोकतंत्र की शुरुआत संसद से पहले राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के भीतर होनी चाहिए। साथ ही लोकतंत्र को केवल राष्ट्रीय सत्ता तक सीमित रखना भी उचित नहीं। पंचायत, नगर निकाय और स्थानीय संस्थाएं लोकतंत्र की वास्तविक पाठशाला हैं। जिस लोकतंत्र में गांव का नागरिक अपने स्थानीय निर्णयों में सहभागी नहीं है, उसमें लोकतंत्र का विकेंद्रीकरण अधूरा है। गांधी का ग्राम स्वराज इसी व्यापक लोकतांत्रिक दृष्टि का प्रतीक था-सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर की ओर हो। लोकतंत्र की सफलता के लिए नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अधिकारों के साथ कर्तव्य जुड़े हैं। मतदान करना ही नागरिकता की पूर्ण जिम्मेदारी नहीं है। सही सूचना प्राप्त करना, संविधान और कानून का सम्मान करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, सामाजिक सद्भाव बनाए रखना और गलत नीतियों के विरुद्ध शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना भी नागरिक धर्म है। अंततः लोकतंत्र कोई तैयार होकर मिल जाने वाली व्यवस्था नहीं, बल्कि निरंतर साधना है। उसे हर पीढ़ी को अपने आचरण, संस्थाओं और सार्वजनिक जीवन के माध्यम से मजबूत करना पड़ता है। लोकतंत्र तभी सार्थक है जब सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह हो, संस्थाएं स्वतंत्र हों, मानवाधिकार सुरक्षित हों, कमजोर को न्याय मिले, असहमति का सम्मान हो और नागरिकों को यह विश्वास हो कि शासन वास्तव में उनके कल्याण के लिए है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विविधता और जनभागीदारी का अद्भुत उदाहरण है।

ब्रिक्स में भारत की शानदार कूटनीतिक सफलता ने ब्रांड मोदी को और मजबूत कर दिया है

(नीरज कुमार दुबे)

भारत और चीन के बीच हुई बातचीत भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। सीमा विवाद और लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बावजूद दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व का आमने-सामने बैठना इस बात का प्रमाण है कि भारत अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से समझौता किए बिना संवाद के दरवाजे बंद नहीं करता।

दिल्ली में हुई ब्रिक्स शिखर बैठक को अगर केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मानकर देखा जाएगा तो उसकी असली राजनीतिक अहमियत समझ में नहीं आएगी। देखा जाये तो यह बैठक ऐसे समय में हुई, जब दुनिया कई मोर्चों पर तनाव, युद्ध, अविश्वास और बदलते शक्ति-संतुलन से गुजर रही है। ऐसे माहौल में भारत ने जिस तरह अलग-अलग ध्रुवों के देशों को एक मंच पर बैठाया, संवाद के रास्ते खोले और मतभेदों के बावजूद सहयोग की जमीन तैयार की, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति के लिए एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि के तौर पर सामने आई है।

ब्रिक्स की इस बैठक की सबसे बड़ी सफलता यही रही कि भारत ने उन देशों के बीच भी संवाद की संभावना पैदा की, जिनके बीच गहरे मतभेद हैं। ईरान और खाड़ी के देशों के बीच बातचीत इसका सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण है। पश्चिम एशिया लंबे समय से टकराव, अविश्वास और संघर्ष का मैदान बना हुआ है। ऐसे समय में दिल्ली का मंच बातचीत के लिए उपलब्ध होना अपने आप में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता का संकेत है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह दिखाया कि भारत किसी एक खेमे का हिस्सा बनकर नहीं, बल्कि अलग-अलग पक्षों से संवाद करते हुए अपने लिए स्वतंत्र कूट-नीतिक स्थान बना सकता है।

भारत और चीन के बीच हुई बातचीत भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। सीमा विवाद और लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बावजूद दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व का आमने-सामने बैठना इस बात का प्रमाण है कि भारत अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से समझौता किए बिना संवाद के दरवाजे बंद नहीं करता। यही वह बिंदु है जहां मोदी की कूटनीति की ताकत दिखाई देती है। अमेरिका से संबंध भी कायम हैं, रूस के साथ रिश्ते भी बने हुए हैं, चीन से संवाद भी हो रहा है और पश्चिम एशिया के अलग-अलग देशों के साथ भारत की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। यानी भारत किसी एक शक्ति के पीछे चलने के बजाय अपनी शर्तों पर संबंधों का संतुलन साध रहा है।

यही सफलता उस राजनीतिक नैरेटिव को भी कमजोर करती है, जिसमें बार-बार यह सवाल उठाया जाता रहा कि अगर पड़ोसी देश पाकिस्तान ने मक्का समझौता कर लिया, दूसरे देशों के साथ अपने समीकरण बना लिए और क्षेत्रीय स्तर पर भारत के खिलाफ गतिविधियां बढ़ीं तो क्या भारत की विदेश नीति असफल हो गई? विदेश नीति को केवल पड़ोस की तत्काल घटनाओं से मापना वास्तविक तस्वीर को छोटा कर देना है। असली सवाल यह है कि दुनिया की बड़ी शक्तियां भारत को किस नजर से देख रही हैं और संकट के समय कितने देश भारत के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। दिल्ली की बैठक ने इस सवाल का जवाब काफी हद तक दे दिया है।

यहां प्रधानमंत्री मोदी की व्यक्तिगत कूटनीतिक छवि भी महत्वपूर्ण हो जाती है। नरेंद्र मोदी, व्लादिमीर पुतिन और शी चिनफिंग की तस्वीरें जिस तरह वैश्विक स्तर पर चर्चा में आई हैं, उनका राजनीतिक संदेश तस्वीर से कहीं बड़ा है। यह तस्वीर बताती है कि भारत का नेतृत्व एक साथ दुनिया की अलग-अलग शक्तियों के साथ संवाद करने की स्थिति में है। पश्चिमी देशों के लिए भी यह संदेश महत्वपूर्ण है कि भारत को नजरअंदाज करके वैश्विक राजनीति की कोई बड़ी रणनीति पूरी नहीं हो सकती।

इसका घरेलू राजनीतिक असर भी कम नहीं होगा। भाजपा लंबे समय से प्रधानमंत्री मोदी की मजबूत वैश्विक छवि को अपनी राजनीतिक पूंजी के रूप में इस्तेमाल करती रही है। ब्रिक्स की दिल्ली बैठक उस पूंजी को और मजबूत करने का अवसर देती है। विपक्ष यदि यह कहता है कि सरकार की विदेश नीति कमजोर पड़ गई है, तो भाजपा के पास दिल्ली में जुटे वैश्विक नेताओं, भारत की मध्यस्थ भूमिका और अलग-अलग शक्ति केंद्रों के साथ संवाद को सामने रखने का मजबूत राजनीतिक आधार तैयार हो गया है।

सबसे बड़ी बात यह है कि दिल्ली में मिली यह कूटनीतिक सफलता केवल एक शिखर सम्मेलन की सफलता बनकर नहीं रहने वाली। इसका सीधा और दीर्घकालिक लाभ भारत की सामरिक स्थिति को मिल सकता है। रूस, चीन, अमेरिका, यूरोप, ईरान और खाड़ी देशों जैसे अलग-अलग शक्ति केंद्रों के साथ एक साथ संवाद कायम रखने की मोदी की क्षमता ने यह संदेश दिया है कि भारत किसी दबाव या धड़े की राजनीति में बंधा हुआ नहीं है, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर दुनिया की बड़ी शक्तियों के साथ संबंध तय करने की स्थिति में है। इसका असर आने वाले समय में व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, सामरिक सहयोग और भारत की वैश्विक हैसियत, हर मोर्चे पर दिखाई दे सकता है।

तो अब शुभेंदु करेंगे गरबा मर्यादा की भी रक्षा?

गैर-मुसलमानों से यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वे औपचारिक नमाज़ में मजहबी कर्तव्य के रूप में शामिल हों; वह स्थान और स्वरूप उन लोगों का है जो उस आस्था को स्वीकार करते हैं। अनेक परंपराओं में मूल उपासना-कर्म की सीमाएँ ऐसी ही हैं। नवरात्रि में गर्भ दीप या दुर्गा की मूर्ति के चारों ओर होने वाला गरबा उसी श्रेणी का आस्था-विशिष्ट कर्म है, राज्य द्वारा थोपा गया खुला सांस्कृतिक मेला नहीं। आज कई स्थानों पर गरबा अत्यधिक व्यावसायिक हो चुका है और हिंदू-भावना विहीन इवेंट मैनेजरों के हाथों विकृत हो रहा है।

(तरुण विजय)

अब सब हैं कि सेक्युलर तालिबानी आवाजों के विरुद्ध हिंदुओं को चाहिए कि अपना अंगद समान पैर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए, जहाँ तेजस्वी वीर हिंदू नायक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी दुर्गा पूजा को उसकी मूल गरिमा लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे सीखकर गरबा को पतन से बचाया जाए।

जिस प्रकार शुद्ध हिंदू उत्सव गरबा में गैर हिंदुओं को शामिल करने की विकृत सेकुलर आवाजें उठने लगीं हैं उनको देखते हुए लगता है कि मुख्यतः गुजरात और महाराष्ट्र में होने वाले गरबा उत्सवों की मर्यादा रक्षा के लिए तेजस्वी हिंदू ध्वज वाहक एवं पश्चिम बंगाल के महानायक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सहायता मांगने का समय आ गया है।

अब सब हैं कि सेक्युलर तालिबानी आवाजों के विरुद्ध हिंदुओं को चाहिए कि अपना अंगद समान पैर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए, जहाँ तेजस्वी वीर हिंदू नायक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी दुर्गा पूजा को उसकी मूल गरिमा लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे सीखकर गरबा को पतन से बचाया जाए।

गरबा शक्ति की उपासना से जुड़ा पारंपरिक हिंदू पूजा-स्वरूप है। यह धनकुबेरों और हिंदू-भावना विहीन भीड़ के लिए मस्ती-मस्ती का कार्निवल नहीं है।

गरबा कोई सेक्युलर मनोरंजन मेला नहीं है। यह माँ अम्बा की भक्ति का हिंदू प्रतीक है। जो माँ दुर्गा की पूजा नहीं करते, जो उनके सामने शीश नहीं झुकाते, उनको गरबा में शामिल होने का कोई अधिकार नहीं।

इसका मूल रूप और अर्थ हिंदू ब्रह्मांड-दृष्टि, प्रतीकों और दिव्य स्त्री-शक्ति की साधना से आता है।

गरबा शब्द संस्कृत शब्द गर्भ से निकला है। पारंपरिक रूप में नर्तक एक घेरे में गर्भ दीप—छेदों वाले मिट्टी के घड़े में जलते दीये —या देवी की मूर्ति के चारों ओर नृत्य अभ्यर्थना करते हैं। दीपक जीवन-शक्ति, शरीर के भीतर दिव्य उपस्थिति और देवी की सृजन-शक्ति का प्रतीक है। वृत्ताकार गति हिंदू चिंतन में काल के चक्र—सृष्टि, स्थिति और प्रलय—को दर्शाती है।

गरबा शरद नवरात्रि में होता है, अर्थात् दुर्गा के नौ रूपों को समर्पित नौ रातों में। यह पर्व महिषासुर पर दुर्गा की विजय का स्मरण है, जैसा देवी माहात्म्य (मार्कंडेय पुराण) में वर्णित है। भक्त माँ की स्तुति के गीत (गर्बा) गाते हैं, ताली देते हैं और नृत्य को पूजा तथा कृतज्ञता का माध्यम बनाते हैं। पारंपरिक माहौल में स्थान पवित्र माना जाता है- प्रायः नंगे पाँव नाचते हैं, आरती होती है, और केंद्र में दीपक या मूर्ति ही मुख्य रहती है।

नवरात्रि व्रत माँ भगवती की भक्ति का चिह्न है। गरबा और डांडिया रास (जहाँ डंडे देवी के आयुधों के प्रतीक हैं) गुजरात में इसी भक्ति की सामाजिक अभिव्यक्ति बने।लोक-नृत्य के रूप में यह शादियों और अन्य अवसरों पर भी होता रहा है, पर इसका सबसे विस्तृत और मुख्य संदर्भ दुर्गा-पूजा का नवरात्रि चक्र ही है। क्योंकि यह रूप देवी और उनके प्रतीकों के इर्द-गिर्द बुना गया है, पारंपरिक हिंदू साधक और संगठन इसे श्रद्धा का कर्म मानते हैं, सेक्युलर-गैरहिंदू मनोरंजन नहीं। जो दुर्गा को दिव्य माता नहीं मानते, मूर्ति-पूजा और धार्मिक विश्वास को अस्वीकार करते हैं, वे इस अनुष्ठान के उद्देश्य से बाहर हैं। गरबा को सिर्फ फन मेला कहना उसे उसके धार्मिक अर्थ से काट देता है और पूजा-भक्ति को तमाशा बना देता है।

अन्य धर्मों के अनुष्ठानों से तुलना स्वाभाविक है। ईद की नमाज़ इस्लामी मज़हब के अनुसार निर्धारित है। गैर-मुसलमानों से यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वे औपचारिक नमाज़ में मजहबी कर्तव्य के रूप में शामिल हों; वह स्थान और स्वरूप उन लोगों का है जो उस आस्था को स्वीकार करते हैं। अनेक परंपराओं में मूल उपासना-कर्म की सीमाएँ ऐसी ही हैं। नवरात्रि में गर्भ दीप या दुर्गा की मूर्ति के चारों ओर होने वाला गरबा उसी श्रेणी का आस्था-विशिष्ट कर्म है, राज्य द्वारा थोपा गया खुला सांस्कृतिक मेला नहीं।

आज कई स्थानों पर गरबा अत्यधिक व्यावसायिक हो चुका है और हिंदू-भावना विहीन इवेंट मैनेजरों के हाथों विकृत हो रहा है। समय आ गया है कि अंगद समान हिंदू आस्था और मर्यादा का पैर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए, जहाँ तेजस्वी वीर हिंदू नायक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी दुर्गा पूजा को उसकी मूल गरिमा लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे सीखकर गरबा को पतन से बचाया जाए।

यूनेस्को ने 2023 में गरबा को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया। उसमें इसके हिंदू सामाजिक स्वरूप और शक्ति/स्त्री-ऊर्जा के वृत्त को बनाए रखते हुए लोगों को जोड़ने की क्षमता का उल्लेख है।

विश्व हिंदू परिषद जैसे संगठनों का कहना सही है कि यह देवी-पूजा का रूप है, इसलिए प्रवेश उन्हीं का हो जो इस आस्था को साझा करते हैं। गरबा स्थलों पर प्रवेश नियंत्रण और पहचान जाँच की माँग इसीलिए है।मिश्रित आयोजनों में तनाव, हिंदू लड़कियों को निशाना बनाने, अपमान और उत्पीड़न की घटनाएँ सामने आई हैं। गैर-हिंदुओं द्वारा हिंदू देवताओं का मज़ाक उड़ाने और गरबा के बहाने हिंदू लड़कियों को छेड़ने की खबरें भी आती रही हैं।

हिंदुओं को समावेशिता का पाठ पढ़ाने की ज़रूरत नहीं। भारत का संविधान हिंदू-बहुल समाज में बना। यह कानून के समक्ष समानता, धर्म की स्वतंत्रता और प्रत्येक समुदाय को अपने धार्मिक कार्यों के प्रबंधन का अधिकार देता है। भारतीय संविधान हिंदू समावेशिता की अभिव्यक्ति है। प्रवासीनेटवर्क जुड़ें

गरबा सनातन धर्म की मर्यादा से बँधा है। हिंदू अपनी संवेदनाओं के अनुरूप प्रवेश की शर्तें रख सकते हैं। मंदिर, मठ और पारंपरिक संप्रदाय पहले से कुछ अनुष्ठान-स्थानों पर मर्यादा के अनुसार प्रवेश नियंत्रित करते हैं। दुर्गा-पूजा पर आधारित सामुदायिक गरबा पर भी वही तर्क लागू होना चाहिए।

अब साधु-संन्यासियों और पारंपरिक हिंदू स्वरों से अपील करनी चाहिए कि वे विशिष्ट हिंदू रूपों की मर्यादा स्पष्ट करें और उसकी रक्षा करें। ये माँगें धार्मिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अनुकूल हैं। शास्त्रीय नवरात्रि रूप में गरबा दुर्गा भगवती—माता और शक्ति के स्वरूप—के प्रति भक्ति का हिंदू अनुष्ठान है। गर्भ-दीप, वृत्ताकार गति, स्तुति-गीत तटस्थ मनोरंजन नहीं हैं। जो यह विश्वास नहीं रखते, वे इसके धार्मिक उद्देश्य से बाहर हैं, जैसे गैर-मुसलमान ईद की औपचारिक नमाज़ की संरचना से बाहर हैं।

अनुष्ठान के पारंपरिक स्वरूप की रक्षा का अर्थ यह नहीं कि नृत्य की व्यापक लोकप्रियता से इनकार किया जाए। अर्थ यह है कि पूजा-केंद्रित कर्म अपने आप खुली सेक्युलर पार्टी नहीं बन जाता। जो आयोजक इसे उपासना मानते हैं, उन्हें भागीदारी का ढाँचा उसी के अनुसार रखने का अधिकार है।(लेखक पूर्व सांसद और वरिष्ठ पत्रकार हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जहां साल में सिर्फएक दिन खुलता है मां का दरबार, वहां उमड़ा आस्था का सैलाब; राजपरिवार ने की पूजा

19 सितंबर से ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं कि लग गई थी कतार

कोंडागांव। कोंडागांव जिले के ग्राम आलोर-झाटीबन की पहाड़ी गुफा में विराजमान मां लिंगेश्वरी का बहुप्रतीक्षित दरबार बुधवार सुबह विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। द्वार खुलने से पहले मंदिर के पुजारियों के साथ बस्तर राजपरिवार के राजा कमलचन्द्र भंजदेव एवं रानी ने माता की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए गुफा का द्वार खोल दिया गया।

खास बातें-साल में एक बार खुलता है दरबार — मां लिंगेश्वरी का यह प्राकृतिक गुफा मंदिर अपनी अनूठी परंपरा के लिए जाना जाता है। मंदिर का द्वार वर्ष में केवल एक दिन श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोले जाने की परंपरा है।

19 सितंबर से ही लगने लगी कतार — इस वर्ष श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में भक्त 19 सितंबर से ही आलोर पहुंचकर दर्शन के लिए कतार में लगना शुरू हो गए थे।

इस वर्ष भीड़ ने तोड़े पुराने आंकड़े? — मौके पर दिखाई दे रही भीड़ पिछले वर्षों की अपेक्षा अधिक नजर आ रही है। हालांकि इसकी आधिकारिक रुप से प्रशासन अथवा मंदिर समिति के आंकड़े उपलब्ध नहीं हो पाए हैं ।

राजपरिवार की विशेष उपस्थिति — इस बार बस्तर राजपरिवार के राजा कमलचन्द्र भंजदेव पहली बार अपनी रानी के साथ मां लिंगेश्वरी के दरबार पहुंचे। दोनों ने श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना की।

गुफा के भीतर दिखे शेर के पंजे के निशान, पुजारियों ने बताया शुभ संकेत-लिंगेश्वरी गुफा के द्वार खुलने के बाद पुजारियों ने गुफा के भीतर शेर के पंजे के निशान दिखाई देने की बात कही। पुजारियों के अनुसार, गुफा में शेर के पंजे के निशान का दिखाई देना क्षेत्र के लिए शुभ संकेत माना जाता है। मान्यता है कि यह क्षेत्र में सुख-शांति, खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक है। इस शुभ संकेत की जानकारी मिलते ही श्रद्धालुओं में भी विशेष उत्साह और आस्था देखने को मिली।

निःसंतान दंपतियों की विशेष आस्था — लोकमान्यता है कि निःसंतान दंपति संतान की कामना लेकर यहां जोड़े के रूप में दर्शन करते हैं।

मनोकामना पूरी होने के बाद फिर पहुंचते हैं दंपति — स्थानीय आस्था के अनुसार, मनोकामना पूरी होने पर कई दंपति अगले वर्ष अपनी संतान के साथ माता के दर्शन करने पहुंचते हैं।

खीरा चढ़ाने की अनोखी परंपरा — मां लिंगेश्वरी को खीरा अर्पित करने की परंपरा भी यहां की विशेष पहचान मानी जाती है। संतान की कामना रखने वाले श्रद्धालु इसे माता को अर्पित करते हैं।

प्राकृतिक गुफा ही है माता का दरबार — पहाड़ी के भीतर स्थित यह प्राकृतिक गुफा अपने छोटे प्रवेश द्वार और अनूठी संरचना के कारण भी श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

दर्शन के लिए दूर-दूर से पहुंचते हैं भक्त — वर्षों से यहां छत्तीसगढ़ के अलग-अलग क्षेत्रों के साथ अन्य राज्यों से भी श्रद्धालुओं के पहुंचने की खबरें सामने आती रही हैं।

बीजापुर-आवापल्ली-बासागुड़ा-जगरगुंडा सड़क के मजबूतीकरण के लिए 18.94 करोड़ मंजूर

उप मुख्यमंत्री के अनुमोदन के बाद राशि स्वीकृति का पत्र जारी

बीजापुर। राज्य शासन ने बीजापुर-आवापल्ली-बासागुड़ा-जगरगुंडा मार्ग के मजबूतीकरण के लिए 18 करोड़ 94 लाख 23 हजार रुपए मंजूर किए हैं। इस राशि से 37.10 किमी सड़क का मजबूतीकरण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद राज्य शासन ने मंत्रालय से राशि स्वीकृति का पत्र प्रमुख अभियंता को जारी कर दिया है। उप मुख्यमंत्री साव ने कार्य में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्रियों एवं संपूर्ण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं। किसी भी स्तर पर कार्य की गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर उत्तरदायित्व का निर्धारण करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। राज्य शासन ने प्रमुख अभियंता को कार्य की निविदा समय-सीमा में करने, निर्माण कार्य प्राक्कलन व कार्य संपादित करने में मितव्ययिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। लोक निर्माण विभाग ने प्रमुख अभियंता को निर्माण एजेंसी से अनुबंधित समय-सीमा में काम पूर्ण किया जाना सुनिश्चित कराने को कहा है। कार्य पूर्ण किये जाने के लिए अनावश्यक समय-सीमा वृद्धि नहीं किए जाने के भी निर्देश विभाग ने दिए हैं। अपरिहार्य एवं नियंत्रण से बाहर मान्य कारणों के आधार पर ही सक्षम अधिकारी द्वारा समय-सीमा में वृद्धि की जा सकेगी।

महाप्रबंधक सुधांशु वर्मा से मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन इंटक पदाधिकारियों ने की मुलाकात

सम्मान एवं सौहार्द के साथ हुआ स्वागत-अभिनंदन, बेहतर समन्वय और सकारात्मक संवाद पर दिया जोर

किरंदुल। मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन, किरंदुल के प्रतिनिधिमंडल ने महाप्रबंधक सुधांशु वर्मा से आत्मीय एवं सौहार्दपूर्ण मुलाकात कर उनका सम्मानपूर्वक स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर यूनियन के अध्यक्ष विनोद कश्यप एवं सचिव ए.के. सिंह सहित यूनियन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने सुधांशु वर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं शाल, इंटक का तिरंगा गमछा, टोपी से सम्मान एवं अभिनंदन किया तथा उनके प्रति आत्मीय भाव व्यक्त करते हुए उनके सुखद, सफल एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक मंगलकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान आपसी सम्मान, सदभाव और सौहार्द की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। मुलाकात के दौरान यूनियन प्रतिनिधियों ने प्रबंधन एवं श्रमिक संगठन के बीच बेहतर समन्वय, आपसी विश्वास और सकारात्मक संवाद को और मजबूत बनाए रखने की भावना व्यक्त की। साथ ही संस्थान की प्रगति तथा कर्मचारियों के हितों से जुड़े विषयों पर मिलकर सकारात्मक एवं रचनात्मक प्रयास जारी रखने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की गई। यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि आपसी सम्मान, संवाद और सहयोग ही किसी भी संस्थान की मजबूती की आधारशिला है। प्रबंधन एवं श्रमिक संगठन के बीच मधुर संबंधों से न केवल कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण मजबूत होता है, बल्कि संस्थान की प्रगति और कर्मचारियों के हितों को भी नई दिशा मिलती है। इस आत्मीय भेंट के दौरान यूनियन के अध्यक्ष-सचिव के साथ पदाधिकारी दिलीप सिंह, बिजी प्रदीप, ओम कुमार साहू, राकेश लाल, रविश तिवारी, जियाउल हसन, पतिराम बघेल, तरुण कुमार साहू, बृजेश कुमार मिश्रा, धनदीप सिंह उपस्थित रहे।

पूरी मुलाकात सम्मान, सौहार्द और सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण रही।

किरंदुल वार्ड क्रमांक 3 बंगाली कैंप में बाजे-गाजे के साथ गणपति बप्पा को दी गई विदाई

बंगाली कैम्प तालाब में हुआ विसर्जन

किरंदुल। किरंदुल वार्ड क्रमांक 3 बंगाली कैंप किरंदुल में बाजे-गाजे और ढोल-नगाड़ों के साथ गणपति जी का विसर्जन किया गया। भक्तों ने गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारों के साथ बप्पा को विदाई दी। किरंदुल बंगाली कैम्प तालाब में विधि-विधान से गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी घोषित, संगठन को मिलेगी नई मजबूती

बलौदाबाजार। भारतीय जनता पार्टी आर्थिक प्रकोष्ठ, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा की बहुप्रतीक्षित जिला कार्यकारिणी की घोषणा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव जी एवं संगठन महामंत्री पवन साय के मार्गदर्शन, प्रदेश संयोजक आर्थिक प्रकोष्ठ शिव चंद्राकर की सहमति तथा भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद यादव की अनुशंसा पर जिला संयोजक अनुपम अग्रवाल ने कार्यकारिणी की घोषणा की। नई कार्यकारिणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आर्थिक सुधार की योजनाओं तथा भाजपा की राष्ट्रहित और आर्थिक सशक्तिकरण की विचारधारा को जिले के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए कार्य करेगी। जिला संयोजक अनुपम अग्रवाल ने कहा कि आर्थिक प्रकोष्ठ व्यापारियों, उद्यमियों एवं आर्थिक जगत से जुड़े लोगों के साथ समन्वय स्थापित कर जिले के आर्थिक विकास और जनकल्याणकारी नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

गौरा चौरा गणेश उत्सव समिति हसौद द्वारा विधि-विधान से की गजानंद की भव्य प्रतिमा स्थापित

हसौद। नगर में गणेशोत्सव को लेकर उत्साह का माहौल है। गौरा चौरा गणेश उत्सव समिति हसौद द्वारा विघ्नहर्ता भगवान गणेश जी की भव्य प्रतिमा विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ विराजमान की गई। प्रतिमा स्थापना के दौरान समिति के सदस्यों सहित शारदा चौक के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। गणेश प्रतिमा विराजमान होने के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। आयोजन को लेकर क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है तथा आगामी दिनों में गणेशोत्सव के तहत विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की तैयारी है। आयोजन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष शिवम जायसवाल, उपाध्यक्ष प्रमोद शर्मा, सचिव ओपेन्द्र साहू सहित छोटू केवट, वीरेंद्र चौहान, अजय साहू, अमन साहू, शंकर साहू, पूरन साहू, अशोक साहू, शिव साहू, लीलाधर साहू, यादराम साहू, चिकन यादव, मिथिलेश राय, नीलांबर साहू एवं शारदा चौक के समस्त नागरिकों का सहयोग रहा।

संगी मितान सेवा समिति रायपुर ने अभियंता दिवस पर रायपुर नगर निगम के 25 सेवानिवृत्त अभियंताओ को सम्मानित किया

रायपुर। संगी मितान सेवा समिति रायपुर द्वारा अभियंता दिवस के अवसर पर रायपुर नगर पालिक निगम के मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के चतुर्थ तल नगर निगम सामान्य सभा सभागार में रायपुर नगर पालिक निगम के सेवानिवृत्त 25 अभियंताओ का शॉल, श्रीफल स्मृति चिन्ह देकर मंच पर सम्मानित किया गया। संगी मितान सेवा समिति रायपुर की ओर से सेवानिवृत्त अभियंताओं का सम्मान नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड, नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी एवं आयुक्त संबित मिश्रा ने किया एवं सेवानिवृत्त अभियंताओं का सुखमय सुदीर्घ, स्वस्थ, समृद्ध जीवन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संगी मितान सेवा समिति रायपुर के अध्यक्ष नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय के कार्यपालन अभियंता निशीकांत वर्मा सहित अन्य अभियंता पदाधिकारीगण की मंच पर उपस्थिति रही। अभियंता दिवस के अवसर पर संगी मितान सेवा समिति रायपुर की ओर से मंच पर नगर निगम मुख्यालय सामान्य सभा सभागार में महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड, नेताप्रतिपक्ष आकाश तिवारी एवं आयुक्त संबित मिश्रा ने सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता यूके घलेन्द्र, सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता राकेश गुप्ता, हेमंत शर्मा, बद्री चंद्राकर, संतोष पाण्डेय, सेवानिवृत्त कार्यपालन अभियंता एस.पी. त्रिपाठी, हरेन्द्र कुमार साहू, हेमंत सोलंकी, रघुमणी प्रधान, संजय शर्मा, राकेश अवधिया, विमल शर्मा, सहायक अभियंता राजनारायण पटेल, विनोद चतुर्वेदी, उपअभियंता ललित वर्मा, योगेन्द्र वर्मा एवं अन्य सेवानिवृत्त अधिकारियों का श्रीफल, शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया ।

मंत्री दयाल दास बघेल ने झाड़ू थामकर दिया स्वच्छता का संदेश

बेमेतरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामाजिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत आज बेमेतरा में जिला स्तरीय भव्य स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा मेरा योगदान थीम पर सिग्नल चौक से प्रताप चौक तक चले इस अभियान में शहरवासियों ने बढ़-चढ़कर श्रमदान किया। कार्यक्रम का सबसे प्रेरक क्षण तब आया जब प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयाल दास बघेल स्वयं हाथों में झाड़ू लेकर सड़क पर उतरे। उनके साथ विधायक दीपेश साहू, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, कलेक्टर सुप्रतिष्ठा ममगाई सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्वच्छता दीदियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने सड़क के दोनों ओर सफाई कर स्वच्छता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया।

स्वच्छता सामाजिक जिम्मेदारी, प्रतिदिन का संकल्प बनाएं : मंत्री बघेल

बेसिक स्कूल ग्राउंड स्थित गांधी भवन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मंत्री बघेल ने कहा, स्वच्छता केवल सरकार का काम नहीं, यह हम सबकी सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ परिवेश से पर्यावरण का संरक्षण होता है, वहीं गंदगी से मानव स्वास्थ्य और जीव-जंतुओं पर विपरीत असर पड़ता है। उन्होंने नागरिकों से इस अभियान को एक दिन तक सीमित न रखकर प्रतिदिन का संकल्प बनाने का आह्वान किया।

सेवा पखवाड़ा : सेवा ही संकल्प

मंत्री ने बताया कि 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक देशभर में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत स्वच्छता अभियान, रक्त दान, स्वास्थ्य शिविर जैसे सेवा कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से गरीब, वंचित और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के जीवन में ऐतिहासिक बदलाव आया है, और छत्तीसगढ़ विकसित राज्य बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। अपने संबोधन में मंत्री बघेल ने साइबर अपराधों को लेकर भी चेताया। उन्होंने कहा, अनजान नंबरों से आने वाले कॉल और लिंक से दूर रहें, पैसे के लेन-देन वाले किसी भी झांसे में न आएं। सतर्कता ही सुरक्षा है।

कलेक्टर की अपील : गीला-सूखा कचरा करें अलग

कलेक्टर सुप्रतिष्ठा ममगाई ने स्वयं सफाई में भाग लेते हुए नागरिकों से अपील की कि गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डस्टबिन में डालें, नालियों में कचरा न फेंकें और अपने मोहल्ले, वार्ड को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी लें।कार्य म में छ.ग. रजकवार विकास बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद रजक, नगर पालिका बेमेतरा के अध्यक्ष विजय सिंहा,जनपद पंचायत अध्यक्ष सुहेमा दिवाकर, जिला पंचायत सीईओ सुप्रेमलता पमाकर, एसडीएम श्रीमती दिव्या पोटाई, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि अजय साहू सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, मीडिया प्रतिनिधि एवं स्वच्छता दीदियां उपस्थित रहीं।

खेल से शरीर और मस्तिष्क दोनों का विकास होता है : पीयूष सोनी

दल्लीराजहरा। खेल से शरीर और मस्तिष्क दोनों का विकास होता है, इसलिए बच्चों व युवाओं को किसी न किसी खेल में रुची रखनी चाहिए। यह बातें विधायक प्रतिनिधि पीयूष सोनी ने ग्राम आमाबाहरा में आयोजित कब्बडी प्रतियोगिता के समापन अवसर पर अपने मुख्य अतिथि के आसंदी से कही।आदिवासी बाहुल्य विकास खंड डौंडी के ग्राम पंचायत सिंघोला के आश्रित ग्राम आमाबाहरा में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी ग्रामीणों द्वारा एक दिवसीय कब्बड़ी प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित डौंडीलोहारा विधायक प्रतिनिधि पीयूष सोनी का ग्रामीणों ने सर्व प्रथम पुष्प माला से स्वागत किया। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक प्रतिनिधि पीयूष नें कहा की खेल से शरीर व मस्तिष्क दोनों का विकास होता है, इसलिए बच्चों व युवाओं को अपने पसंदीदा खेल में रुची लेनी चाहिए। शिक्षा और खेल दोनों ही जीवन में बहुंत ही जरूरी है। अच्छी शिक्षा व अच्छे खेल से हम अपने भविष्य को संवार सकते हैं। आज देश के बहुंत से युवा अपने खेल का बेहतर प्रर्दशन कर अपने देश का नाम गौरान्वित कर रहे है। वहीं उन्होंने दोनों ही टीम के खिलाड़ियों से खेल भावना से खेलनी की बात कही। मुख्य अतिथि व उपस्थित अन्य अतिथियों नें मैदान मे जाकर दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें शुभकामनाएं दी। ग्राम आमाबाहरा में आयोजित एक दिवसीय कब्बड़ी प्रतियोगिता में कुल 20 टीमों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि व अतिथियों द्वारा प्रथम व द्वितीय आने वाली टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं कार्यक्रम में ग्रामीणों नें विधायक अनिला भेंडिया के द्वारा ग्रामीणों की मांग पर गांव आमाबाहरा को मुख्य मार्ग से जोडने, गांव में आंगनबाड़ी केंद्र, जर्जर शाला भवन का मरम्मत एवं ग्राम घोटिया मे महाविद्यालय प्रारंभ करवाये जानें पर विधायक अनिला भेंडिया व उनके प्रतिनिधि पीयूष सोनी के प्रति आभार जताया और भविष्य में भी इसी तरह से गांव के विकास हेतु सहयोग की आपेक्षा की बात कही गई।

संक्षिप्त समाचार

मंडल में राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत हिन्दी वाक् प्रतियोगिता का आयोजन तथा राजभाषा प्रगति विषयक निरीक्षण

बिलासपुर। बिलासपुर मंडल में 14 सितम्बर से 28 सितम्बर 2026 तक राजभाषा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के मार्गदर्शन एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी के कुशल नेतृत्व में इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच राजभाषा के प्रचार एवं प्रसार हेतु राजभाषा विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। राजभाषा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत दिनांक 21.09.2026 को कर्मचारियों के लिए हिंदी वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । उक्त प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों में कार्यरत कुल 13 कर्मचारियों ने भाग लिया । कर्मचारियों ने साइबर फ्रॉड एक चुनौती, एक भारत, श्रेष्ठ भारत एवं भारतीय रेल पर हिंदी का बढ़ता वर्चस्व विषय पर अपने विचार रखें। इस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में श्री अरुण कुमार तिवारी,सहायक मंडल वित प्रबंधक,बिलासपुर एवं श्री अजय कुमार सिंह,सहायक मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य) उपस्थित थे । हिंदी वाक् प्रतियोगिता के प्रथम पुरस्कार श्री राकेश कुमार श्रीवास, लोको पायलट गुड्स, मुख्य करू कंट्रोलर, बिलासपुर, द्वितीय पुरस्कार सुश्री प्रेमलता सिन्हा, सीनियर सीसी टीसी, मुख्य टिकट निरीक्षक, बिलासपुर, तृतीय पुरस्कार, श्री रम रतन नाई, वरिष्ठ तकनीशियन, सीनियर सेक्शन इंजीनियर विद्युत /सामान्य/एसी, बिलासपुर प्रेरणा -डु पुरस्कार, श्रीमती आकुंडी रामेश्वरी, कार्यालय अधीक्षक, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, बिलासपुर एवं प्रेरणा -डुडु पुरस्कार श्री विरेन्द्र कुमार गोस्वामी, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक, शहडोल हकदार बने । इसी क्रम में 22 सितम्बर 2026 को बिलासपुर मंडल के विभिन्न यूनिटों में राजभाषा प्रगति विषयक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के प्रयोग, राजभाषा संबंधी प्रावधानों के अनुपालन तथा हिन्दी में कार्य निष्पादन की प्रगति का जायजा लिया गया।

सेवा संकल्प अभियान : विद्यार्थियों ने रक्त दान कर पेश की सेवा की मिसाल

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत शासकीय ई. राघवेन्द्र राव स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वावधान में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंदों के लिए अपना योगदान दिया। शिविर में कुल 23 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्तदान को लेकर विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों में उत्साह नजर आया। उन्होंने रक्तदान को मानव सेवा से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य बताते हुए बढ़-चढ़कर सहभागिता की। शिविर का उद्देश्य युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक करने के साथ उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व और सेवा भावना को बढ़ावा देना रहा। विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों की सहभागिता ने सेवा कार्यों के प्रति उनकी संवेदनशीलता को प्रदर्शित किया। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से आयोजित इस शिविर में रक्तदान के महत्व का संदेश भी दिया गया।

25 सितंबर से जिले में मनाया जाएगा आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में 25 सितंबर से 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में एक-एक दिवस विशेष गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में हितग्राही माताओं, स्व-सहायता समूह की महिलाओं, बच्चों के अभिभावकों तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। आयोजन के दौरान मेरी पौष्टिक थाली का प्रदर्शन कर पोषण, स्वास्थ्य एवं महिलाओं के कल्याण से संबंधित जानकारी दी जाएगी। आंगनबाड़ी केंद्रों में पौष्टिक सब्जियां एवं फल उपलब्ध कराने के लिए पोषण वाटिका हेतु पौधरोपण तथा '"घर-घर मुनगा, हर घर मुनगा'" के लिए समुदाय को प्रेरित किया जाएगा।

रेलखंड पर रेल संरक्षा आयुक्त, दक्षिण पूर्व परिमण्डल, कोलकाता- सुमीत सिंघल द्वारा रेल निरीक्षण एवं गति परीक्षण संपन्न

महत्वकांक्षी दल्लीराजहरा-रावघाट नई रेल लाइन परियोजना पूर्ण

■ दल्लीराजहरा रावघाट नई रेल लाइन परियोजना के रावघाट-ताड़ोकी सिंगल लाइन विद्युतीकृत ब्रॉडगेज सेक्शन का निरीक्षण कमिश्नर ऑफरेलवे सेफ्टी (सीआरएस) द्वारा किया गया

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल अंतर्गत दल्लीराजहरा- रावघाट नई रेल लाइन परियोजना के ताड़ोकी-रावघाट सिंगल लाइन विद्युतीकृत ब्रॉडगेज सेक्शन का निरीक्षण रेल संरक्षा आयुक्त, दक्षिण पूर्व परिमण्डल, कोलकाता श्री सुमीत सिंघल द्वारा कमिश्नर ऑफरेलवे सेफ्टी (सीआरएस) द्वारा किया गया । कमिश्नर ऑफरेलवे सेफ्टी दिनांक 22 सितम्बर 2026 को सीआरएस स्पेशल ट्रेन द्वारा ताड़ोकी से रावघाट सेक्शन का निरीक्षण किया रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) श्री सुमीत सिंघल द्वारा गति परीक्षण (स्पीड ट्रायल) भी संपन्न किया गया । इस अवसर पर श्री मुदित भटनागर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) मुख्यालय बिलासपुर एवं मंडल रेल प्रबंधक, रायपुर श्री दयानंद, रेल विकास निगम लिमिटेड से सरोज कांता पात्रा, पीईडी ईस्ट-आरवीएनएल, भावेश पांडे- सीपीएम/आरवीएनएल/रायपुर कन्हैया गोयल/ एजीएम/ आरवीएनएल/रायपुर सहित संबंधित वरिष्ठ रेल अधिकारी एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा किया गया निरीक्षण एवं गति परीक्षण नई रेल लाइन के कमीशनिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इस दौरान रेल लाइन, पुल-पुलियों, विद्युतीकरण, सिग्नलिंग एवं अन्य संरक्षा तथा तकनीकी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। निर्धारित प्रक्रिया के तहत रेलखंड की परिचालन क्षमता एवं संरक्षा मानकों का परीक्षण किया गया। बहुप्रतीक्षित दल्लीराजहरा रावघाट रेल परियोजना अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। वर्तमान में दल्लीराजहरा से ताड़ोकी तक यात्रियों को रेल की सुविधा मिल रही है । ताड़ोकी - रावघाट सेक्शन में ट्रेन परिचालन से आसपास के क्षेत्रों की रेल कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी तथा क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन के बेहतर एवं सुविधाजनक विकल्प उपलब्ध होंगे। इस रेल लाइन के माध्यम से कृषि उत्पादों एवं स्थानीय व्यापारिक वस्तुओं के परिवहन को सुगमता मिलेगी, नई रेल लाइन ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों को व्यापक रेल नेटवर्क से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बेहतर रेल संपर्क से नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं व्यापार से जुड़े अवसरों तक पहुंचने में सुविधा होगी। साथ ही, रेल परिवहन के विस्तार से क्षेत्र में पर्यटन, निवेश तथा अन्य आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को भी गति मिलेगी।

रेल संरक्षा के चार सजग प्रहरियों को महाप्रबंधक ने किया सम्मानित

बिलासपुर। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है । सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है । इसी कड़ी में आज दिनांक 22 सितम्बर, 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत संरक्षा कोटि के 04 कर्मचारियो को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा संबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के द्वारा सम्मानित किया गया । इस अवसर पर सम्मानित किए गए कर्मचारियों के सराहनीय कार्य इस प्रकार हैं:- ट्रैक मेंटेनर-डु के पद पर राबर्ट्सन में पदस्थ कर्मचारी श्री भुवन लाल ने ड्यूटी के दौरान राबर्ट्सन यार्ड में सुबह 07:15 बजे, डाउन लाइन में रेल फ्रैक्चर दिखाई देने पर कर तत्काल सर्वसंबंधित अधिकारियों को सूचित किया। समय पर कार्रवाई से ट्रैक को संरक्षित कर रेल परिचालन सुचारु रूप से सुनिश्चित किया गया। ट्रैक मेंटेनर- डुडु के पद पर भाटापारा में पदस्थ कर्मचारी श्री भानू प्रताप सिंह ने ड्यूटी के दौरान 34वें वैगन की असामान्य स्थिति दिखाई देने पर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। समय पर आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी का संरक्षित संचालन किया गया। सहायक/कोची. एंड वैगन के पद पर काचेवानी स्टेशन में पदस्थ कर्मचारी श्री छन्नालाल धुवारे ने ड्यूटी के दौरान वैगन के निचले हिस्से में आई होल की पहचान कर तत्काल सर्वसंबंधित अधिकारियों को सूचित किया तत्पश्चात, आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी को संरक्षित संचालन सुनिश्चित करने में भूमिका निभाई ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में सघन टिकट जांच अभियान, 43,710 मामलों में कार्रवाई.....

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा बिना टिकट एवं अनियमित टिकट पर यात्रा करने वाले यात्रियों के साथ-साथ बिना उचित प्राधिकार अथवा निर्धारित नियमों के विरुद्ध सामान/लगेज ले जाने वाले यात्रियों के विरुद्ध भी लगातार सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने के प्रति जागरूक करने तथा रेलवे राजस्व की सुरक्षा के उद्देश्य से बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर मंडलों में विशेष एवं नियमित टिकट जांच अभियान संचालित किए जा रहे हैं। दिनांक 01 सितम्बर 2026 से 20 सितम्बर 2026 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीनों मंडलों में चलाए गए टिकट जांच अभियानों के दौरान कुल 43,710 मामलों में कार्रवाई की गई तथा रेलवे द्वारा ?3,13,15,499/- की आय अर्जित की गई। टिकट जांच के दौरान बिना टिकट, अनियमित टिकट एवं बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्रियों के विरुद्ध रेलवे नियमों के अनुसार कार्रवाई की गई। टिकट जांच दलों द्वारा प्रमुख स्टेशनों के साथ-साथ विभिन्न ट्रेनों में भी नियमित रूप से जांच की जा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व उचित एवं वैध टिकट अवश्य प्राप्त करें तथा यात्रा के दौरान अपने टिकट/यात्रा प्राधिकार को सुरक्षित रखें। बिना टिकट अथवा अनियमित टिकट के साथ यात्रा करना रेलवे नियमों के विरुद्ध है और ऐसे मामलों में नियमानुसार अतिरिक्त किराया एवं दंड वसूला जा सकता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा, रेल राजस्व की सुरक्षा तथा नियमसम्मत यात्रा सुनिश्चित करने के लिए टिकट जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रखा जाएगा।

रेल्वे भर्ती बोर्ड,बिलासपुर में दिनकर जयंती पर काव्य गोष्ठी का आयोजन

बिलासपुर। रेलवे भर्ती बोर्ड बिलासपुर द्वारा राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' जी की जयंती के उपलक्ष्य में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। दिनांक 21 सितंबर 2026 को आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 50 साहित्यकारों एवं साहित्यप्रेमियों ने सहभागिता की तथा 30 से अधिक कवियों ने काव्य-पाठ किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनय कुमार पाठक, भूतपूर्व अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग एवं कुलपति, थावे विद्यापीठ, गोपालगंज तथा विशिष्ट अतिथि अरविंद्र कुमार मेश्राम, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर थे । कार्यक्रम की अध्यक्षता पीयूष गुप्ता, अध्यक्ष, रेलवे भर्ती बोर्ड, बिलासपुर ने की। इस अवसर पर राष्ट्रकवि दिनकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए उनके साहित्य में निहित राष्ट्रप्रेम, जनचेतना एवं मानवीय संवेदनाओं पर प्रकाश डाला गया। काव्य गोष्ठी में कवियों ने विभिन्न विषयों पर अपनी रचनाओं का काव्य-पाठ किया। काव्य-पाठ करने वाले सभी कवि एवं कवयित्रियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन सुजेश कुमार शर्मा ने तथा मंच संचालन सुरेश पैगवार ने किया। इस कार्यक्रम में रेलवे एवं अंचल के विभिन्न कवि कवित्रीगण उपस्थित थे जिनमे मुखरूप से रामकुमार श्रीवास 'पलास', रमेश कुमार श्रीवास, राजेश कुमार सोनार, संतोष कुमार मिरी 'हेम', राकेश कुमार, प्रदीप्त किशोर पंडा, गुलशन कुमार खम्हारी, अर्जुन कुमार, राकेश कुमार, हर्षल नागदेवते, प्रियंका फाटक, प्रियंका फुलझेले, नादिर अहमद खान, शरद यादव 'अक्स' सुरेश पैगवार, सोमप्रभा तिवारी, वीरेंद्र दास, विजय गुप्ता, जलेश्वरी वस्त्रकार चित्ररेखा श्रीवास, अंतिमा पांडेय, अविनाश पांडेय, निशांत कुमार, अभिषेक रंजन 'चुन्नू', जगतारण डहरे, राकेश कुमार श्रीवास, रामरतन नई, यशवंत गुप्ता, विजय कुमार चौकसे, आर के बेहरा, मनीष जैन, अतुल मिश्रा, लकन लाल निषाद, किशोर कुमार, निशांत विश्वकर्मा, नंदलाल श्रीवास सम्मिलित रहें । कार्यक्रम के अंत में रेलवे भर्ती बोर्ड, बिलासपुर के सहायक सचिव कमलेश कुमार ने आभार प्रदर्शन करते हुए अतिथियों, कवियों, साहित्यप्रेमियों तथा आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेवा संकल्प अभियान विकसित भारत की थीम पर दिव्यांग विद्यार्थियों ने उकेरे सपनों के रंग

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय, तिफरा में अध्ययनरत दिव्यांग छात्र-छात्राओं द्वारा 'विकसित भारत' की थीम पर पेंटिंग एवं रंगोली तैयार की गई। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा और कल्पनाशीलता का प्रदर्शन करते हुए रंगों के माध्यम से विकसित भारत की परिकल्पना को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने अपनी पेंटिंग एवं रंगोली में स्वच्छ एवं सुंदर भारत, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आत्मनिर्भरता, तकनीकी विकास, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण तथा देश की प्रगति जैसे विषयों को प्रमुखता से दर्शाया। रंग-बिरंगे चित्रों और आकर्षक रंगोली के माध्यम से विद्यार्थियों ने देश के उवल भविष्य और विकास की अपनी कल्पना को अभिव्यक्त किया। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ते हुए उनमें देश के विकास के प्रति जागरूकता एवं सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। दिव्यांग विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा के माध्यम से यह संदेश दिया कि अवसर और प्रोत्साहन मिलने पर वे भी समाज और राष्ट्र के विकास में अपनी रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं। विद्यालय में आयोजित इस गतिविधि में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उनकी बनाई गई पेंटिंग एवं रंगोली ने न केवल उनकी कला प्रतिभा को प्रदर्शित किया, बल्कि विकसित भारत के सपने और संकल्प को भी प्रभावी ढंग से सामने रखा।

स्वच्छता ही सेवा अभियान:स्टेशनों, ट्रेनों एवं कार्यालयों में गूंजा स्वच्छता भारत का संदेश

■ विद्यार्थियों ने नुक्कड़-नाटक के माध्यम से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

बिलासपुर। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत थीम पर 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता ही सेवा (स.ही.से)-2026 अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के साथ अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में अभियान के पांचवें एवं छटवें दिन 21 व 22 सितम्बर 2026 को स्वच्छ स्टेशन, स्वच्छ रेलगाड़ी और स्वच्छ सार्वजनिक स्थल थीम के तहत मंडल के विभिन्न स्टेशनों, ट्रेनों एवं कार्यालयों में व्यापक स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों के स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म एवं यात्री क्षेत्रों की गहन साफ-सफाई के साथ सफाई मशीनों, उपकरणों एवं सफाई कर्मियों के व्यक्तिगत किट की उपलब्धता की जांच की गई। छोटे स्टेशनों पर भी स्वच्छता अभियान चलाकर सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्करण, कूड़ेदान के उचित उपयोग तथा प्लास्टिक-मुक्त प्लेटफॉर्म के लिए यात्रियों को जागरूक किया गया। चिन्हित ट्रेनों में अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों की निगरानी में कोच, टॉयलेट, फर्श, बर्थ एवं खिड़कियों की सघन सफाई की गई। सार्वजनिक स्थलों, नालियों एवं शौचालयों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया। विभिन्न गाड़ियों के पेंट्रीकार एवं रेलवे स्टेशनों पर स्थित फूड स्टॉलों का गहन निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान पेंट्रीकार एवं फूड स्टॉलों में स्वच्छता व्यवस्था, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, खाद्य पदार्थों के रख-रखाव, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता तथा साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया गया। मंडल कार्यालयों में क्लीन डेस्क, न्यूनतम प्रिंटिंग एवं डिजिटल दस्तावेजीकरण को बढ़ावा देते हुए अनावश्यक कागज के उपयोग को कम करने तथा एकल-उपयोग प्लास्टिक के स्थान पर पुनः उपयोग योग्य बोतलों एवं कपों के इस्तेमाल के लिए कर्मचारियों को प्रेरित किया गया। मंडल के शहडोल सहित विभिन्न रेलवे स्टेशन पर रेलवे स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यात्रियों को स्वच्छता अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने स्टेशन परिसर एवं ट्रेनों में कचरा इधर-उधर न फेंकने, कूड़ेदान का उपयोग करने तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने के लिए यात्रियों को प्रेरित किया।

अनंत चतुर्दशी पर ऐसे करें भगवान विष्णु की पूजा

हिंदू धर्म में अनंत चतुर्दशी को अत्यंत शुभ माना जाता है। पंचांग के अनुसार, हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को अनंत चतुर्दशी का व्रत रखा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की पूजा की जाती है। इसी के कारण इसे अनंत चौदस भी कहा जाता है। इस खास मौके पर श्री विष्णु की विधिवत पूजा करने से जाने-अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिल सकती है। इसके साथ ही जीवन में खुशियों, सुख-समृद्धि, धन-संपदा की प्राप्ति हो सकती है। इस दिन विष्णु जी की पूजा करने के साथ अनंत सूत्र बांधते हैं जिसे भगवान विष्णु का अनंत स्वरूप का प्रतीक माना जाता है। इसके साथ ही इस दिन से गणेश उत्सव का भी समापन हो जाता है। आइए जानते हैं अनंत चतुर्दशी पर विष्णु जी की पूजन विधि, सामग्री, अनंत सूत्र बांधने का तरीका और नियम...

अनंत चतुर्दशी 2026 तिथि

द्रिक पंचांग के अनुसार, भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि 24 सितंबर की रात 11 बजकर 18 मिनट से शुरू होगी, जो 25 सितंबर की रात 11 बजकर 06 मिनट पर समापन होगा। ऐसे में अनंत चतुर्दशी का व्रत 25 सितंबर को रखा जाएगा।

अनंत चतुर्दशी 2026 पूजा मुहूर्त

पूजा का शुभ मुहूर्त - 25 सितंबर को सुबह 6 :11 बजे से रात 11 :06 बजे तक है।
ब्रह्म मुहूर्त : सुबह 4 :35 से 5 :23 बजे तक
अभिजीत मुहूर्त : सुबह 11 :48 से दोपहर 12 :37 बजे तक
विजय मुहूर्त : दोपहर 2 :13 से 3 :01 बजे तक
गोधूलि मुहूर्त : शाम 6 :14 से 6 :38 बजे तक
रवि योग : सुबह 6 :11 से 11 :22 बजे तक

क्या है अनंत सूत्र?

अनंत चतुर्दशी में अनंत सूत्र बांधना शुभ माना जाता है। ये एक पवित्र धागा होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस सूत्र में भगवान विष्णु का वास होता है, जिसमें 14 गांठें लगाई जाती हैं और ये गांठ 14 लोकों का प्रतीक माना जाता है।

अनंत चतुर्दशी पर सुबह स्नान आदि करने के बाद साफ वस्त्र धारण कर लें। इसके बाद पूजा स्थल पर जाएंगे और एक चौकी पर पीला रंग का कपड़ा डालकर विष्णु जी की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। इसके बाद उनका ध्यान करते हुए उन्हें फूल, चंदन, अक्षत, फल, गन्ने के रस की खीर, फल और नैवेद्य अर्पित करें। इसके बाद अनंत चतुर्दशी की व्रत कथा, चालीसा, मंत्र के साथ अंत में आरती कर लें। इसके साथ ही विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ कर लें।

विसर्जन के बाद पूजा सामग्री का क्या करें?

गणेश उत्सव की 10 दिवसीय भक्ति के बाद, अनंत चतुर्दशी पर गणपति बप्पा की विदाई का क्षण आता है। विसर्जन के बाद घर में बची हुई पूजा सामग्री में भगवान गणेश की कृपा और ऊर्जा समाहित होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इन सामग्रियों का सही उपयोग करना आवश्यक है:

कलश का जल
पूजा के बाद कलश के जल को अपने पूरे घर में छिड़कें, इससे नकारात्मकता दूर होती है। शेष पवित्र जल को तुलसी या घर के अन्य पौधों में डाल दें। इसके बाद कलश को साफ करके उसमें चावल या अन्य अनाज भरकर रसोई में रख दें, जो समृद्धि का प्रतीक है।

नारियल
नारियल को प्रसाद के रूप में परिवार और मित्रों में बांटकर खाना सबसे उत्तम है। यदि उपयोग न करना हो, तो इसे बहते जल में विसर्जित करें या लाल कपड़े में बांधकर घर के मंदिर या किसी वृक्ष की जड़ में रख दें। सूखे नारियल का उपयोग बाद में किसी अन्य पूजा या रसोई में भी किया जा सकता है।

दीपक की जली हुई बाती
बाती को कभी कूड़ेदान में न फेंकें। इसे बहते जल में प्रवाहित करें या तुलसी के पौधे की मिट्टी में दबा दें। इसकी राख का उपयोग तिलक लगाने या नजर उतारने के लिए भी किया जा सकता है। सुपारी और सिक्के : सुपारी को किसी ब्राह्मण को दान करें या बहते जल में प्रवाहित करें। धन संबंधी समस्याओं के निवारण के लिए एक सुपारी और कलश में रखे सिक्के को लाल कपड़े में बांधकर अपनी तिजोरी या धन स्थान पर रखें। जौ (जारे) और दूर्वा : पूजा के जौ को किसी पवित्र नदी में प्रवाहित करें या पौधों में डाल दें। गणेश जी की प्रिय दूर्वा को सुख-समृद्धि के लिए अपनी तिजोरी में रखना बहुत शुभ माना जाता है।

विसर्जन का सही भाव
गणेश विसर्जन केवल मूर्ति को जल में प्रवाहित करना नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रतीक है कि भगवान गणेश हमारे दुखों और विघ्नों को अपने साथ ले जा रहे हैं और घर में सुख-समृद्धि छोड़ जा रहे हैं।

गणपति विसर्जन के नियम, पूजा सामग्री

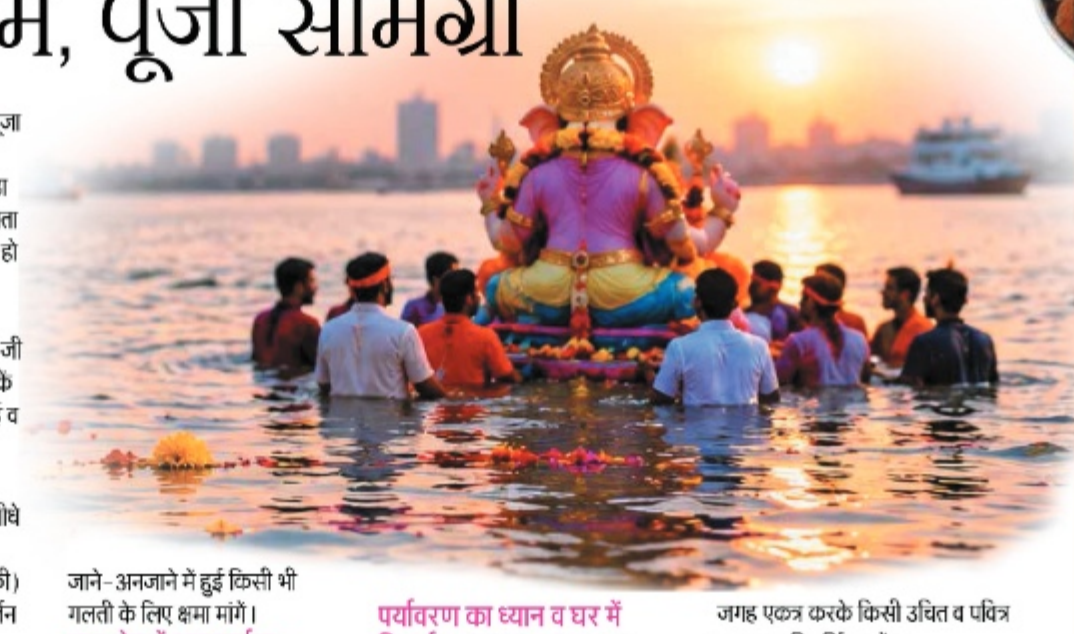

गणपति विसर्जन गणेश चतुर्थी उत्सव का एक अत्यंत भावुक और महत्वपूर्ण चरण है। शास्त्रों में श्री गणेश की स्थापना जितनी श्रद्धा से की जाती है, उनके विसर्जन के नियमों का पालन भी उतनी ही पवित्रता से करना आवश्यक माना गया है। यदि आप 2026 में गणपति विसर्जन कर रहे हैं, तो इन नियमों और जानकारियों का ध्यान जरूर रखें।

शुभ मुहूर्त का चयन : विसर्जन हमेशा शुभ मुहूर्त (चौघड़िया या पंचांग देखकर) में ही करें। राहुकाल या अशुभ समय में विसर्जन करने से बचें।

उत्तरपूजा (अंतिम आरती और पूजा) : विसर्जन से ठीक पहले बप्पा की विधिवत अंतिम आरती करें। विसर्जन स्थल पर भी गणेश जी की पूजा और कर्पूर आरती जरूर करें। उन्हें मोदक, दुर्वा, फूल और भोग अर्पित करें।

मूर्ति को स्थान से हिलाना : पूजा समाप्त होने के बाद, मंत्रोच्चार के साथ मूर्ति को उसके स्थान से थोड़ा सा आगे खिसकाएं। यह संकेत होता है कि अब स्थापना की अवधि पूर्ण हो चुकी है।

अक्षत का छिड़काव : विसर्जन यात्रा शुरू करने से पहले गणपति जी पर थोड़ा सा अक्षत (चावल) छिड़कें और उनके साथ कुछ फल, मिठाई व सुपारी बांधकर रखें।

प्रतिमा की पवित्रता : यात्रा के दौरान मूर्ति को कभी जमीन पर सीधे न रखें। प्रतिमा को हमेशा सम्मानपूर्वक कपड़ों या पाटे (चौकी) पर रखकर हाथों में उठाएं। विसर्जन से पहले 3 बार घड़ी की दिशा में (दक्षिणावर्त) परिक्रमा लगाएं।

क्षमा याचना : विसर्जन से पहले दोनों हाथ जोड़कर भगवान गणेश के चरणों में झुककर पूरे परिवार की सेहत, धन और समृद्धि का आशीर्वाद मांगें। 10 दिनों की पूजा के दौरान जाने-अनजाने में हुई किसी भी गलती के लिए क्षमा मांगें।

जल क्षेत्र में आदरपूर्वक विसर्जन : यदि आप नदी, तालाब या समुद्र में विसर्जन कर रहे हैं, तो मूर्ति व अन्य वस्तुओं को कभी भी फेंकें नहीं। प्रतिमा को धीरे-धीरे पानी में आगे बढ़ाकर पूरे मान-सम्मान के साथ प्रवाहित करें।

पर्यावरण का ध्यान व घर में विसर्जन : मिट्टी की इको-फ्रेंडली प्रतिमा का विसर्जन घर पर ही किसी साफ बाल्टी, टब या होद में करें। विसर्जन के बाद उस जल और मिट्टी को घर के गमले या गार्डन में डाल दें।

निर्माल्य का प्रबंधन : पूजा के पुराने फूल, मालाएं और निर्माल्य को एक जगह एकत्र करके किसी उचित व पवित्र स्थान पर विसर्जित करें।

पीठ न दिखाएं और घर लौटने के नियम : जल में विसर्जन के तुरंत बाद बिना पीछे मुड़े हाथ जोड़कर प्रणाम करें और बप्पा से अगले वर्ष शीघ्र आने का निवेदन ('अगले बरस तू जल्दी आ') करते हुए घर आ जाएं। घर लौटने के बाद तुरंत हाथ-पैर धोएं।

आज का राशिफल

मेष राशि - घर-परिवार में सामान्य सौहार्द बना रहेगा। छोटी-छोटी बातों पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें, ताकि मानसिक शांति बनी रहे। किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह से घरेलू फैसले आसान होंगे। सक्रियता और आत्मविश्वास से रुके हुए कार्य दोबारा गति पकड़ेंगे। कारोबारियों के लिए नई योजनाओं पर काम करने का अनुकूल समय है; साझेदारी के फैसलों में जल्दबाजी न दिखाएं।

वृषभ राशि - परिवार में आपकी राय को महत्व मिलेगा। किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। पुराने रिश्तेदारों से संपर्क होने से सुखद समाचार मिल सकते हैं। कामकाज में नई जिम्मेदारियों के योग बन रहे हैं। व्यवस्थित कार्यशैली की सराहना होगी। पुराने संपर्कों से कारोबार विस्तार के अच्छे सुझाव मिलेंगे। नई कार्यशैली अपनाने से करियर में तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे।

मिथुन राशि - घर में कोई नई जानकारी सामने आ सकती है, जो आपका दृष्टिकोण बदलेगी। अधूरी जानकारी के आधार पर परिजनों के प्रति राय न बनाएं; बातचीत से पुराने मसले सुलझाएं। बातचीत की कुशलता से कार्यक्षेत्र में अलग पहचान बनेगी। व्यापारियों को पुराने संपर्कों और नेटवर्किंग से भविष्य में बड़े व्यावसायिक अवसर मिल सकते हैं।

कर्क राशि - घर का माहौल शांत और सहयोगी रहेगा। परिवार के सदस्यों का साथ भावनात्मक मजबूती देगा। पुराने मतभेद भुलाकर रिश्तों में मधुरता लाने का सही समय है। कार्यक्षेत्र में काम धीमी लेकिन स्थिर गति से आगे बढ़ेगा। व्यापारियों को नई साझेदारी सोच-समझकर करनी चाहिए। उच्चाधिकारियों की सलाह से जटिल काम पूरे होंगे। पिछले अनुभवों से सीख लेकर आगे बढ़ना फायदेमंद रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को मेहनत का सुखद परिणाम मिल सकता है।

सिंह राशि - पारिवारिक निर्णयों में आपके मार्गदर्शन की जरूरत रहेगी। बड़ों की सलाह का सम्मान करें। किसी सदस्य के स्वास्थ्य पर ध्यान देना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में टीम का नेतृत्व करने का मौका मिलेगा। व्यापारियों को नए सौदों और साझेदारी के अनुकूल अवसर मिलेंगे; अहंकार व जिद से बचें। कार्यशैली में सकारात्मक बदलाव लाने से परिणाम बेहतर होंगे। छात्र नियमित अभ्यास जारी रखें, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के संकेत हैं।

कन्या राशि - घर-परिवार में मधुरता और सहयोग बना रहेगा। दूसरों की छोटी-मोटी कमियों को नजरअंदाज करें और रिश्तों में सौहार्द बनाए रखें। कामकाज में व्यस्तता बढ़ेगी। प्राथमिकताओं के अनुसार काम करने से महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स समय पर पूरे होंगे। सहकर्मियों के साथ टीमवर्क से काम आसान होगा। छात्रों को अत्यधिक परफेक्शन के दबाव से बचना चाहिए; निरंतर अभ्यास से प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त होगी।

तुला राशि- परिवार और बच्चों के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी। घर में किसी खुशखबरी के आने से उत्सव का माहौल बन सकता है। सहकर्मियों के पूर्ण सहयोग से टीम प्रोजेक्ट्स आसानी से संपन्न होंगे। नए संपर्कों से व्यापारियों को भविष्य में लाभदायक सौदे मिल सकते हैं। आपकी रचनात्मक सोच की उच्चाधिकारियों द्वारा सराहना होगी।

वृश्चिक राशि - घर में सकारात्मक वातावरण रहेगा। वरिष्ठ सदस्यों की सलाह से अटके हुए पारिवारिक मामले सुलझेंगे। अपनों के साथ समय बिताने से मानसिक सुकून मिलेगा। जिस काम को लंबे समय से टाल रहे थे, उसमें प्रगति होगी। कारोबारी पुराने सौदों को पुनः सक्रिय कर सकेंगे। नौकरीपेशा जातकों की कार्यशैली सराही जाएगी। सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प से पढ़ाई की बाधाएं दूर होंगी। युवाओं को करियर में आगे बढ़ने के नए विकल्प प्राप्त होंगे।

धनु राशि- घर का वातावरण अनुकूल रहेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक या शुभ आयोजन में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलेंगी, जिन्हें आप कुशलतापूर्वक निभाएंगे। व्यापारी कागजी कार्रवाई और अनुबंधों पर हस्ताक्षर से पहले नियमों को ध्यान से पढ़ें। पुराने प्रोजेक्ट्स को पूरा करने से वरिष्ठों के सामने अच्छी छवि बनेगी।

मकर राशि - परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा। किसी महत्वपूर्ण घरेलू काम के पूरा होने से मानसिक संतुष्टि रहेगी। बड़ों का आशीर्वाद मनोबल बढ़ाएगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत वरिष्ठों की नजर में आएगी। कारोबारियों को पुराने संपर्कों से लाभ होगा; साझेदारों से विचार-विमर्श करके ही निर्णय लें। रुके हुए प्रोजेक्ट्स को पूरा करने का मौका मिलेगा।

कुंभ राशि- मित्रों और परिजनों के साथ मेल-जोल बढ़ेगा। घर में मेहमानों के आगमन से चहल-पहल रहेगी। वास्तविक परिस्थितियों को समझकर ही कोई घरेलू निर्णय लें। नेटवर्किंग और संपर्कों से महत्वपूर्ण व्यापारिक जानकारी मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों को सहकर्मियों के सहयोग से काम निपटाने में आसानी होगी। भावनाओं के प्रभाव में आकर कोई शैक्षणिक निर्णय न लें।

मीन राशि- घर-परिवार में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहेगा। महत्वपूर्ण मामलों में आपकी राय को सराहा जाएगा। घर में किसी मांगलिक या शुभ कार्य की रूपरेखा बन सकती है। कार्यक्षेत्र में ईमानदारी और लगन का सुखद फल मिलेगा। नए संपर्कों से व्यापारियों को अच्छा मुनाफा होगा। नौकरी में महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट मिल सकता है। मेहनत की सराहना होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। छात्रों के लिए समय अनुकूल है; नियमित अभ्यास से प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

फेस वॉश करते समय कुछ जरूरी बातों का रखें ध्यान

स्किन केयर रूटीन की शुरुआत फेस वॉश से होती है, लेकिन चेहरे को साफ करते समय की गई छोटी-छोटी गलतियां स्किन के लिए परेशानी खड़ी कर सकती हैं। डॉक्टर आंचल पंथ के मुताबिक, फेस वॉश करते समय कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए, ताकि स्किन की नेचुरल नमी बनी रहे और चेहरा साफ होने के साथ हेल्दी भी रहे।

फेस वॉश करते समय कौन सी गलतियां नहीं करनी चाहिए?

ड्राई स्किन पर फेस वॉश का इस्तेमाल: अगर आपकी स्किन ड्राई है तो बहुत ज्यादा स्ट्रॉन्ग या हार्श फेस वॉश का इस्तेमाल करने से बचें। ऐसे प्रोडक्ट्स स्किन की नेचुरल नमी को कम कर सकते हैं, जिससे चेहरा और रूखा, हो सकता है।

बहुत ज्यादा फेस वॉश का इस्तेमाल: चेहरे को ज्यादा साफ करने के चक्कर में बार-बार फेस वॉश करना सही नहीं है। इससे स्किन की नेचुरल ऑयल लेयर प्रभावित हो सकती है और ड्राईनेस, जलन या इरिटेशन की समस्या हो सकती है।

बहुत कम फेस वॉश का इस्तेमाल: बहुत कम मात्रा में फेस वॉश लेने से चेहरे पर मौजूद ऑयल, पसीना, धूल और गंदगी अच्छी तरह साफ नहीं हो पाती। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि ज्यादा फेस वॉश लेना जरूरी है। अपनी हथेली पर पर्याप्त मात्रा लेकर हल्के हाथों से पूरे चेहरे को साफ करें और फिर पानी से अच्छी तरह धो लें।

बहुत ज्यादा रब करना: चेहरे को साफ करने के लिए जोर-जोर से रगड़ना एक आम गलती है। इससे स्किन में इरिटेशन, बढ़ सकती है। खासतौर पर मुंहासे वाली या सेंसिटिव स्किन पर स्क्रब की तरह रगड़ने से बचें। फेस वॉश को उंगलियों की मदद से हल्के हाथों से सर्कुलर मोशन में लगाएं।

तुरंत फेस वॉश करना: फेस वॉश को चेहरे पर लगाते ही तुरंत पानी से धो देना भी सही तरीका नहीं है। पहले चेहरे को हल्का गीला करें, फिर फेस वॉश लगाकर कुछ सेकंड तक बहुत हल्के हाथों से मसाज करें ताकि चेहरे की गंदगी और ऑयल साफ हो सके।

तौलिये से रगड़ना: चेहरा धोने के बाद तौलिये से जोर-जोर से रगड़कर पानी सुखाने से स्किन में इरिटेशन हो सकता है। कोशिश करें कि फेस के लिए अलग और साफ तौलिया इस्तेमाल करें। इसके बाद स्किन थोड़ी नम हो तभी मॉइस्चराइजर लगाना फायदेमंद रहता है।

अच्छी नींद शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण

क्या आपने कभी गौर किया है कि अच्छी नींद लेने के बाद चेहरा ज्यादा फ्रेश और खिला-खिला नजर आता है, जबकि रातभर ठीक से न सोने पर आंखों के नीचे सूजन, थकान और त्वचा की इलनेस दिखाई दे सकती है? यही वजह है कि अच्छी नींद को आम बोलचाल में स्लीपिंग ब्यूटी भी कहा जाता है। नींद केवल शरीर और दिमाग को आराम देने के लिए जरूरी नहीं है, बल्कि रात के दौरान शरीर कई सामान्य रिकवरी प्रक्रियाओं से भी गुजरता है, जिनका असर त्वचा की स्थिति पर दिखाई दे सकता है। दिनभर काम, तनाव, प्रदूषण और धूप के संपर्क में रहने के बाद त्वचा को भी आराम की जरूरत होती है। जब आप पर्याप्त नींद लेते हैं, तो शरीर को अपनी सामान्य मरम्मत और रिकवरी प्रक्रियाओं के लिए समय मिलता है। इसके विपरीत, लगातार नींद पूरी न होने पर चेहरा थका हुआ, आंखों के आसपास सूजा हुआ और त्वचा कम फ्रेश दिखाई दे सकती है।

नींद और स्किन ग्लो का कनेक्शन

अच्छी नींद शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इसका संबंध त्वचा के सामान्य स्वास्थ्य से भी हो सकता है। रात के समय शरीर आराम की अवस्था में होता है, जिससे त्वचा की सामान्य रिकवरी प्रक्रिया को सपोर्ट मिलता है। पर्याप्त नींद लेने के बाद सुबह चेहरा अधिक तरोताजा और फ्रेश नजर आ सकता है। हालांकि केवल नींद ही चेहरे के ग्लो की वजह नहीं होती। त्वचा का स्वास्थ्य कई कारकों पर निर्भर करता है। आपकी डाइट, पानी का सेवन, तनाव, शारीरिक गतिविधि, धूप से बचाव और स्किनकेयर रूटीन भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कम नींद का त्वचा पर असर

अगर आप लगातार देर रात तक जागते हैं या पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, तो इसका असर आपके चेहरे पर नजर आ सकता है। आंखों के नीचे डार्क सर्कल या सूजन अधिक दिखाई दे सकती है और चेहरा थका हुआ लग सकता है। कुछ लोगों में लंबे समय तक खराब नींद और तनाव त्वचा से जुड़ी परेशानियों को भी प्रभावित कर सकते हैं।

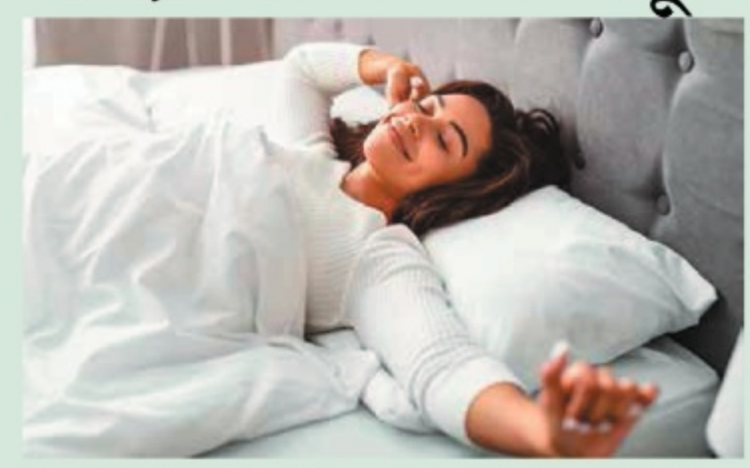

कितनी नींद जरूरी है?

वयस्कों के लिए आमतौर पर हर रात करीब 7 से 9 घंटे की नींद की सलाह दी जाती है। हालांकि, नींद की जरूरत उम्र और व्यक्ति की परिस्थितियों के अनुसार अलग हो सकती है। केवल घंटों की संख्या ही नहीं, बल्कि नींद की गुणवत्ता और नियमितता भी महत्वपूर्ण है।

बेहतर नींद के लिए अपनाएं ये आदतें

रोज लगभग एक ही समय पर सोने और जागने की कोशिश करें। सोने से पहले मोबाइल या लैपटॉप का इस्तेमाल कम करना, कैफीन का देर शाम सेवन सीमित करना और कमरे का वातावरण शांत व आरामदायक रखना मददगार हो सकता है। दिनभर पर्याप्त शारीरिक गतिविधि करना भी बेहतर नींद के लिए उपयोगी हो सकता है।

डेली डाइट में शामिल करें इम्युनिटी बूस्टर जूस

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ रहना सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गई है. बदलते मौसम, गलत खानपान और बढ़ते प्रदूषण के कारण हमारी इम्युनिटी कमजोर हो जाती है. ऐसे में डाइटिशियन Muskan Kumari के अनुसार, प्राकृतिक और पोषक तत्वों से भरपूर जूस का सेवन शरीर को अंदर से मजबूत बनाता है. ये जूस न केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं, बल्कि शरीर को ऊर्जा भी देते हैं और कई बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं.

आंवला जूस
आंवला विटामिन C का सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है. इस जूस को पीने से इम्युनिटी मजबूत होता है, साथ ही ये पाचन सुधारता है. ये जूस त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद अगर इस रोज सुबह खाली पेट पीना ज्यादा लाभकारी होता है.

गाजर-चुकंदर जूस
यह जूस शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है. ये जूस खून साफ करता है और हीमोग्लोबिन बढ़ाता है साथ ही ऊर्जा देता है. इसमें थोड़ा नींबू मिलाने से इसका असर और बढ़ जाता है.

संतरा जूस
संतरा विटामिन C से भरपूर होता है. इस जूस को पीने से सर्दी-जुकाम से बचाव होता है साथ ही इम्युन सिस्टम मजबूत और शरीर को हाइड्रेट रखता है. लेकिन आप ये जरूर कोशिश करें की ताजा जूस ही पिएं, पैकेज्ड से बचे.

हल्दी-अदरक जूस
यह एक नेचुरल एंटीबायोटिक ड्रिंक है. यह सूजन कम करता है, इंफेक्शन से लड़ता है, गले की खराश में राहत देता है इसमें शहद मिलाकर पीना और फायदेमंद होता है.

अनारजूस
अनार एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है. ये जूस दिल की सेहत के लिए अच्छा होता है. ये खून बढ़ाने में मददगार और कमजोरी दूर करता है. रोज एक गिलास अनार जूस से शरीर मजबूत रहता है.

विसर्जन झांकी पर प्लानिंग : 8 सौ जवानों की तैनाती, 10 निगरानी मचान और 4 ड्रोन से पैनी नजर

झांकियों के लिए रूट भी तय, अप्रिय घटनाओं की रोकथाम के लिए तगड़ी व्यवस्था

चौक-चौराहों और विसर्जन झांकियों के साथ रहेगी पुलिस जवान और अफसर

राजनांदगांव। गणेश विसर्जन को लेकर पुलिस विभाग ने भी तैयारियां पूरी कर ली है। विसर्जन की रात 800 से अधिक जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा प्रमुख चौराहों पर 4 ड्रोन के माध्यम से नजर रखी जाएगी।

इसके अलावा हरेक झांकी पर फोकस करते हुए जवानों की तैनाती की गई है। पुलिस विभाग पूरी कोशिश में जुटा है कि बेहतर सुरक्षा व्यवस्था हो और कोई अप्रिय घटना न हो साथ ही शांतिपूर्ण माहौल में गणेश विसर्जन हो। इसके लिए व्यापक व्यवस्था देखने को मिल रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अतिरिक्त बल सहित लगभग 800 पुलिस जवानों को शहर, विसर्जन मार्ग, संवेदनशील क्षेत्रों, बाहरी मार्गों एवं विसर्जन स्थलों पर अलग-अलग जिम्मेदारियों के साथ तैनात किया गया है। गणेश विसर्जन के दौरान किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए पुलिस द्वारा सामान्य तैनाती के साथ-साथ कई विशेष दलों को सक्रिय किया गया है। शहर को अलग-अलग क्षेत्रों में विभाजित कर बल की तैनाती की गई है तथा प्रत्येक महत्वपूर्ण क्षेत्र की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों को सौंपी गई है। बाहरी गश्त, मोटरसाइकिल गश्त, स्थिर पुलिस प्वाइंट, कार्रवाई दल एवं सुरक्षित अतिरिक्त बल लगातार सक्रिय रहेंगे।

पिछले 10 दिनों में रिहा हुए व्यक्तियों पर निगरानी

गणेश विसर्जन को ध्यान में रखते हुए जेल से हाल ही में रिहा हुए व्यक्ति यों की निगरानी के लिए पृथक दल पिछले 10 दिनों से सि य है। संबंधित क्षेत्रों से लगातार जानकारी प्राप्त की जा रही है तथा आवश्यकतानुसार निरोधात्मक कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा रेलवे स्टेशन निगरानी दल अलग रूप से लगाया गया है।

शहर और आउटर के लॉज एवं ढाबों में विशेष जांच

शहर में आने-जाने वाले एवं ठहरने वाले संदिग्ध व्यक्ति यों की पहचान के लिए लॉज, होटल एवं ढाबों की जांच हेतु पृथक दल तैनात किया गया है। शहर के बाहरी क्षेत्रों एवं प्रमुख मार्गों पर भी लगातार निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा गणेश विसर्जन के दौरान अत्यधिक भीड़ का लाभ उठाकर होने वाले चेन स्नेचिंग, मोबाइल एवं पर्स चोरी, जेब कटने तथा अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष पुलिस दल सि य रहेंगे।

ड्रोन से इस तरह की जाएगी निगरानी

शहर के 10 प्रमुख स्थानों पर निगरानी मचान स्थापित किए गए हैं। इनसे भीड़ एवं गतिविधियों पर ऊंचाई से निगरानी रखी जाएगी। इसके अतिरिक्त 04 ड्रोन द्वारा झांकी मार्ग, भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों एवं संवेदनशील स्थानों की हवाई निगरानी की जाएगी। ड्रोन एवं अन्य निगरानी माध्यमों से प्राप्त महत्वपूर्ण जानकारी को संबंधित मैदानी दलों तक तत्काल पहुंचाया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था को केवल पुराने शहर तक सीमित न रखते हुए शहर के बाहरी एवं परिधीय मार्गों पर भी विशेष व्यवस्था की गई है।

सखी सहेली तीज मिलन एवं शिक्षक सम्मान समारोह में दिखी नारी प्रतिभा की चमक

बेमेतरा । जायसवाल धर्मशाला, नवागढ़ में सखी सहेली ग्रुप द्वारा आयोजित सखी सहेली तीज मिलन एवं शिक्षक सम्मान समारोह हर्षोल्लास और गरिमामय माहौल में सम्पन्न हुआ। परंपरा, संस्कृति, प्रतिभा और सम्मान के संगम से सजे इस आयोजन में महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन पूजा श्रीवास्तव, रेणु तिवारी एवं सरिता दीवान द्वारा किया गया। समारोह में कनकलता मिश्रा, डॉ. हिना पारख, वर्षा गौतम, निशा चौबे, उमा पाठक, नीलम श्रीवास्तव एवं नीतू भट्ट मुख्य अतिथि एवं निर्णायक मंडल के रूप में उपस्थित रहीं।शिक्षा के दीप जलाने वालों का सम्मान-समारोह के मुख्य आकर्षण शिक्षक सम्मान के तहत शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित शिक्षिकाओं में वरिष्ठ एवं सेवानिवृत्त शिक्षिका गंगा जैन एवं पूनम तिवारी के साथ सोनल शर्मा, प्रेक्षा साहू, ऋचा ढेबले, साधना कुशवाहा, मीना ठाकुर, श्रद्धा शुक्ला, अनु महाडिक, मधु मराठा, निकु खान, साधना साहू, लता मिश्रा, ललिता यादव, माधवी जी, सावित्री शर्मा, अंजू केसरवानी, नीतू केसरवानी, सीमा कौशिक, पुष्पा साहू एवं रानू गोसाई शामिल रहीं। वहीं सेवा क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए पेशे से नर्स अम्बालिका सिंह राजपूत का विशेष सम्मान किया गया। ब्यूटी क्वीन में सुंदरता के साथ सामाजिक संदेश- ब्यूटी क्वीन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास के साथ रैंप वॉक किया। प्रतियोगिता में नीतू ठाकुर प्रथम, सोनल शर्मा द्वितीय एवं रानी ठाकुर तृतीय स्थान पर रहीं।विशेष प्रस्तुति के लिए श्यामा ठाकुर एवं आरती राजपूत को सम्मानित किया गया। श्यामा ठाकुर ने केरल थीम पर आधारित प्रस्तुति देकर भारत की विविध संस्कृति को सम्मान देने का संदेश दिया, तो आरती राजपूत ने शिक्षा और टेक्नोलॉजी के प्रति जागरूकता का प्रेरक संदेश दिया। डांस प्रतियोगिता में थिरके कदमडांस प्रतियोगिता में भी महिलाओं ने जमकर उत्साह दिखाया। इसमें प्रीति पांडे प्रथम, गोलू चौबे द्वितीय एवं शालिनी गुप्ता तृतीय* स्थान पर रहीं।

प्रांतीय छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति जिला इकाई बेमेतरा का हुआ सम्मान

बेमेतरा। जिला अंतर्गत संचालित प्रांतीय छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति जिला इकाई बेमेतरा विगत पंद्रह बीस वर्षों से छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास हेतु प्रचार प्रसार के लिए लगातार प्रयास करते आ रही है। जिसमें जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्य पर कार्य करने वाले साहित्यकारों को एकजुट कर मासिक बैठक एवं समय-समय पर संगोष्ठी आयोजित करती है। जिसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ी भाषा में कविताएं, कहानियां, नाटक, गीत, प्रहसन आदि का लेखन पर आधारित काव्य, गीत आदि निर्माण कर सुव्यवस्थित करने का काम किया जाता रहा है। जिसे किताबों में संग्रहीत कर प्रकाशित करने का भरपूर प्रयास किया जाता रहा है। हमारे समिति का एक और महत्वपूर्ण दायित्व रहता है कि नवीन साहित्यकारों को लिखने के लिए प्रोत्साहित करना है। एवं उन्हें मंच प्रदान कर उनकी प्रतिभा को जन-मानस तक पहुचाने का कार्य किया जाता रहा है।

परिणामस्वरूप सुग्घर साहित्य समिति भिंभौरी बेरला द्वारा प्रांतीय छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति जिला इकाई बेमेतरा को भिंभौरी में आयोजित महोत्सव में आमंत्रित कर समिति के अध्यक्ष डॉ गोकुल बंजारे चंदन, सचिव मनोज पाटिल मणि आदि को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग अध्यक्ष प्रभात मिश्रा एवं विशिष्ट अतिथि छंद गुरु अरुण कुमार निगम , विशिष्ट अतिथि रामानंद त्रिपाठी , वरिष्ठ साहित्यकार सुरेन्द्र शर्मा सरल, विजय शर्मा बेशर्म,और वंदना सोनी के करकमलों शाल श्रीफल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुग्घर साहित्य समिति भिंभौरी बेरला के अध्यक्ष नारायण प्रसाद वर्मा चंदन, कमलेश वर्मा, दिलीप टिकरिहा सहित समिति के समस्त पदाधिकारी गण व कवि साहित्यकार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सामान्य धर्म का पालन सभी को करना चाहिए- शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी

बेमेतरा। ग्राम सलधा जहां सवा लाख शिवलिंग का ऐतिहासिक मंदिर बन रहा है वहीं उत्तराम्नाय ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य अनंत श्री विभूषित स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का दिव्य भव्य चातुर्मास चल रहा है। सर्व प्रथम जिला ब्राह्मण समाज बेमेतरा के द्वारा पादुका पूजन किया गया।

दण्डी स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती जी महाराज ने सलधा शिवलिंग स्थापित करने वाले भक्तों के नाम की घोषणा की। अप्रमेय स्वामी जी ने विरुदावली का वाचन किया। परम पूज्य शंकराचार्य जी ने कहा कि आज हम धर्म की चर्चा करेंगे, सामान्य धर्म और विशेष धर्म की और अधर्म की चर्चा करेंगे। हम लोग भगवान् श्री शिव जी की चर्चा कर रहे थे तो उपसंहार में भी शिव जी की चर्चा करनी चाहिए जो ये धर्म की चर्चा है ये शिव जी की ही चर्चा है भगवान शिव जी ने बताया कि धर्म क्या है। और भगवान श्री राम जी ने धर्म को जी कर दिखाया। शिव जी धर्म हैं तो राम जी क्रिया विधि हैं। रामो विग्रह वान धर्मः । धर्म धारण किया जाता है जो हमारे जीवन को ऊंचा उठाता है और जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कराता है। सामान्य धर्म इसी को मानव धर्म कहते हैं इसका पालन सभी को करना चाहिए जैसे सत्य बोलना सभी को सत्य बोलना चाहिए। विशेष धर्म जैसे गृहस्थ, ब्रह्मचर्य, वानप्रस्थ और संन्यास आदि। ब्राह्मण, क्षत्रिय वैश्य और शुद्र इन विशेष धर्म का पालन जो जिसका अधिकारी है वो उसका पालन करेगा। मनु महाराज ने 10 धर्म बताये जिसका सभी को पालन करना चाहिए पहला है धैर्य जीवन में धीरज रखकर आगे बढ़ते हैं। जल्दबाजी में काम बिगड़ जाता है। दूसरा है क्षमा हमारे प्रति कोई अपराध करेगा गलती करेगा तो उसे भूलकर छोटी मोटी समस्याओं को भूलकर क्षमा करके आगे बढ़े। तीसरा अस्तेय चोरी न करना अपने गाढ़े पसीने की कमाई खाओ चोरी मत करो। शौच याने पवित्रता हर समय पवित्र रहना चाहिए दो प्रकार की पवित्रता है बाहर और अंदर सत्संग से अंदर पवित्र होता है और स्नान आदि से बाहर। बुद्धि को सही रखना भी धर्म है हर समय सजग रहकर बुद्धि को संभाल कर रखना चाहिए। अपनी बुद्धि को विवेक सम्पन्न बना लो। विद्या भी धर्म है यथार्थ को मूल को जानना विद्या है जो बात जीवन में आये तो उसके मूल को जानने वाली विद्या हो। सत्य भी धर्म है सत्य बोलने के समान धर्म नहीं है हमने जो कहा वो झूठ नहीं होनी चाहिए। भूतकाल की बात को जैसा है वैसा बताना चाहिए। अक्रोध शांत रहना चाहिए क्रोध नहीं करना चाहिए। पर अच्छे कार्य के लिए क्रोध करना धर्म है गौ रक्षा के लिए, ब्राह्मण, धर्म, मां बहन बेटी परिवार और राष्ट्र रक्षा के लिए क्रोध करना अच्छा है धर्म है। व्यक्तिगत मान सम्मान लाभ हानी के लिए क्रोध नहीं करना चाहिए। मनु ने 10 याज्ञवल्क्य ने 9 महाभारत में 5 पाराशर ने 5 धर्म बताये हैं। सत्य, दया, दान, परोपकार, अहिंसा, अलोभ, धैर्य आदि सामान्य धर्म हैं जिसका पालन हर व्यक्ति को करना चाहिए इससे जीवन सुखमय और शांति के साथ बीतता है लोक परलोक दोनों बनता है।

शिक्षिका आंचल वर्मा ने कराया न्योता भोज

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ राज्य शिक्षक सम्मान राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका समिति आंचल वर्मा सामाजिक पहल करते हुए बच्चों के साथ सहयोग की भावना विकसित करने तथा विद्यालय के विद्यार्थी शिक्षक एवं अभिभावक समुदाय के साथ मिलकर भोजन की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शिक्षिका के द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला कंन्तेली में न्योता भोज दिया जिसमें जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य जे एल धृतलहरे उप प्राचार्य कमल कपूर बंजारे व्याख्याता थलज साहू विकासखंड शिक्षा अधिकारी कामिनी महिलागें सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी कमोद ठाकुर जिला स्रोत समन्वय नकुल प्रसाद पनागर विकासखंड स्त्रोत समन्वयक राजेंद्र साहू अतिरिक्त स्रोत समन्वय सतीश शर्मा सहित प्रधान पाठक कंन्तेली जांगड़े मैडम एवं स्टाफ तथा प्राथमिक शाला कंन्तेली के प्रधान पाठिका शीतल राजपूत सहित स्टाफ प्रबंधन समिति अध्यक्ष देवेंद्र वर्मा तथा समिति के सदस्य गण ने बच्चों के साथ बैठकर नेता भोज का आनंद लिया ग्राम कन्तेली के शासकीय प्राथमिक शाला में आज पहली बार किसी के द्वारा न्योता भोज का आयोजन किया गया था विद्यालय के बच्चे भी नियमित रूप से परोसे जाने वाले भोजन को छोड़कर आज विशेष रूप से बनाया गया भोजन का आनंद लेने में पीछे नहीं रहे डायट प्राचार्य जे एल धृतलहरे तथा साथ आए।

बिजली बिल बकाया पर सीएसपीडीसीएल का शिकंजा, 985 कनेक्शन कटे

83.36 लाख रुपये बकाया था, कार्रवाई के बाद 551 उपभोक्ताओं ने जमा किए 53.52 लाख; 218 सरकारी कनेक्शन भी कार्रवाई की जद में

बालोद। जिले में लंबे समय से बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले सरकारी और निजी उपभोक्ताओं पर सीएसपीडीसीएल ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। अगस्त से चल रहे कनेक्शन विच्छेदन अभियान के तहत अब तक करीब 985 कनेक्शन काटे जा चुके हैं। इन कनेक्शनों पर 83 लाख 36 हजार रुपये से अधिक की राशि बकाया थी। कार्रवाई के बाद विभाग को इसका असर भी देखने को मिला और 551 कनेक्शनधारियों ने 53 लाख 52 हजार रुपये का भुगतान कर दिया। बकाया राशि जमा होने के बाद संबंधित कनेक्शनों को दोबारा बहाल कर दिया गया। खास बात यह है कि विभाग की कार्रवाई केवल निजी उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं है। 985 कनेक्शनों में 218 कनेक्शन सरकारी विभागों के भी शामिल हैं। सीएसपीडीसीएल के अधिकारियों के मुताबिक जिन सरकारी विभागों ने बजट आबंटन नहीं होने या बजट संबंधी समस्या की जानकारी देते हुए कुछ समय की मांग की है, वहां परिस्थितियों को देखते हुए बिजली व्यवस्था बहाल की जा रही है। वहीं, भुगतान की कोई ठोस पहल नहीं करने वाले बकायादारों पर कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई जारी है।

भुगतान के लिए समझाइश भी, नहीं मानने पर कट रहा कनेक्शन

सीएसपीडीसीएल के ईई कौशलेंद्र पांडे ने बताया कि अगस्त से सरकारी और निजी दोनों तरह के बकायादार उपभोक्ता ओं के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। विभाग की ओर से पहले बिल का भुगतान नियमित रूप से करने की समझाइश दी जा रही है। इसके बावजूद भुगतान नहीं होने पर नियमानुसार कनेक्शन काटे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 985 कनेक्शन काटे गए हैं, जिनमें से 551 कनेक्शनों की बकाया राशि वसूल होने के बाद उन्हें पुनः जोड़ दिया गया है। उन्होंने बताया कि कुछ सरकारी विभागों की ओर से बजट आबंटन नहीं होने की जानकारी देते हुए बिजली व्यवस्था कुछ दिनों के लिए बहाल करने का अनुरोध किया गया था। ऐसे मामलों में विभाग ने बिजली बहाल की है। साथ ही आम उपभोक्ता ओं और सरकारी संस्थानों से समय पर बिजली बिल जमा करने की अपील की जा रही है, ताकि कनेक्शन विच्छेदन की स्थिति निर्मित न हो।

सरकारी विभागों पर करोड़ों का बकाया-

गुंडरदेही डिवीजन को छोड़कर जिले भर में बाकी उपलब्ध विभागवार आंकड़ों पर नजर डालें तो सरकारी विभागों पर बिजली बिल की बकाया राशि करोड़ों रुपये में है। इनमें पंचायत विभाग के 2,389 कनेक्शनों पर करीब 32.86 करोड़ रुपये की राशि बकाया बताई गई है। वहीं राजस्व विभाग के आठ कनेक्शनों पर 1.71 करोड़ रुपये और नगर पंचायत के 160 कनेक्शनों पर 3.11 करोड़ रुपये से अधिक की राशि बकाया है। पीएचई विभाग के 11 कनेक्शनों पर करीब 95.23 लाख रुपये, नगरपालिका के 238 कनेक्शनों पर 81.22 लाख रुपये तथा आदिम जाति कल्याण विभाग के 73 कनेक्शनों पर 68.58 लाख रुपये की बकाया राशि दर्ज है। अन्य विभागों में भी लाखों रुपये का बिजली बिल लंबित है। केंद्र शासन एवं अन्य शासकीय विभागों के 162 कनेक्शनों पर करीब 33.07 लाख रुपये, वन विभाग के 53 कनेक्शनों पर 24.54 लाख रुपये, शिक्षा विभाग के 545 कनेक्शनों पर 18.40 लाख रुपये, सहकारी समितियों के 63 कनेक्शनों पर 16.99 लाख रुपये तथा स्वास्थ्य विभाग के 89 कनेक्शनों पर 12.50 लाख रुपये बकाया हैं। सीएसपीडीसीएल का कहना है कि बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले उपभोक्ता ओं के खिलाफनियमानुसार कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

भुगतान करने वाले उपभोक्ता ओं के कनेक्शन राशि जमा होने के बाद बहाल किए जा रहे हैं। ऐसे में विभाग के इस अभियान से बकाया बिजली बिल की वसूली तेज होने के साथ सरकारी संस्थानों पर लंबित भुगतान को लेकर भी दबाव बढ़ता नजर आ रहा है।

आंकड़ों में सरकारी विभागों की बकाया राशि-

पंचायत विभाग- 32.86 करोड़ रुपये
नगर पंचायत- 3.11 करोड़ रुपये
राजस्व विभाग- 1.71 करोड़ रुपये
पीएचई- 95.23 लाख रुपये
नगरपालिका- 81.22 लाख रुपये
आदिम जाति कल्याण- 68.58 लाख रुपये
केंद्र शासन व अन्य शासकीय विभाग- 33.07 लाख रुपये
वन विभाग- 24.54 लाख रुपये
शिक्षा विभाग- 18.40 लाख रुपये
सहकारी सोसायटी- 16.99 लाख रुपये
स्वास्थ्य विभाग- 12.50 लाख रुपये
पुलिस विभाग- 9.65 लाख रुपये
महिला एवं बाल विकास- 9.47 लाख रुपये
आईटीआई एवं तकनीकी शिक्षा- 9.37 लाख रुपये
जल संसाधन- 9.34 लाख रुपये
जनपद एवं जिला पंचायत- 9.01 लाख रुपये
महाविद्यालय एवं उच्च शिक्षा- 5.56 लाख रुपये

चरवाहे की व्यवस्था और दुर्घटना रोकने के प्रभावी उपाय करने के दिए निर्देश

हाइवे पर पर घुमंतु पशुओं के प्रबंधन के लिए ग्राम पंचायतों की भागीदारी जरूरी : कलेक्टर

राजनांदगांव। जिला पंचायत सभाकक्ष में राष्ट्रीय राजमार्ग एवं प्रमुख मार्गों पर घुमंतु पशुओं के प्रबंधन और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिव, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, पुलिस विभाग, नगरीय निकाय तथा राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर जितेंद्र यादव ने कहा कि सड़क पर पशुओं के विचरण से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रशासन, पुलिस और राष्ट्रीय राजमार्ग की टीम के साथ ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों और ग्राम पंचायतों की सहभागिता से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है। उन्होंने सभी सरपंच एवं सचिवों को अपने-अपने क्षेत्र में प्रभावी व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्राम पंचायतों को अपने उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए चरवाहे की व्यवस्था करने कहा, ताकि राष्ट्रीय राजमार्ग एवं प्रमुख सड़कों पर विचरण करने वाले पशुओं को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके। इसके लिए स्थानीय टेक्स संग्रहण तथा अन्य उपलब्ध संसाधनों का नियमानुसार उपयोग करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि आगामी तीन माह तक इस व्यवस्था की नियमित निगरानी की जाएगी। जिन पंचायतों द्वारा पशु प्रबंधन और सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य किया जाएगा, उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा।

सरपंचों को सम्मानित करने की बात भी कही।

कलेक्टर ने ग्राम पंचायतों के पशु आश्रय स्थलों को सक्रिय करने पर जोर देते हुए कहा कि पशुओं के संरक्षण के साथ मानव-पशु टकराव को रोकना भी इसका महत्वपूर्ण उद्देश्य है। उन्होंने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को ग्राम पंचायतों से प्रस्ताव प्राप्त कर पशु आश्रय स्थलों में आवश्यक शेड, फेंसिंग, चारा एवं पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क के आसपास उपलब्ध शासकीय भूमि का चिन्हांकन कर आवश्यकता के अनुसार सुरक्षित पशु आश्रय स्थल विकसित करने के निर्देश भी दिए।

पेट्रोलिंग टीम, पुलिस और पंचायतों के बीच समन्वय के निर्देश

कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग की पेट्रोलिंग टीम, पुलिस और ग्राम पंचायतों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क पर पशुओं के पाए जाने की सूचना तत्काल संबंधित टीम तक पहुंचनी चाहिए, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। इसके लिए सरपंच, सचिव, चरवाहे, जनपद पंचायत एवं राष्ट्रीय राजमार्ग की टीम को समन्वित सूचना समूह से जोड़ने के निर्देश दिए गए। उन्होंने रात्रिकालीन पेट्रोलिंग को प्रभावी बनाने के साथ दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी तथा उपलब्ध अन्य संसाधनों का बेहतर उपयोग करने कहा।

मानसिक रोगी को दिया गया विधिक सहायता

बेमेतरा। बेरला में सरोज नंद दास, प्रधान जिला न्यायाधीश महोदय / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के मार्गदर्शन में व स्वर्णलता ओम यादव, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के दिशानिर्देश पर माननीय नालसा द्वारा संचालित मानसिक रूप से बीमार और बौद्धिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए विधिक सेवाएं, योजना 2024 के अंतर्गत बेमेतरा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मानवता व सामाजिक दायित्व का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया गया। ग्राम करामाल निवासी मानसिक रोगी के परिजन के द्वारा थाना बेरला में उपचार हेतु मानसिक स्वास्थ्य उपचार केन्द्र सेन्द्री, बिलासपुर ले जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था। उक्त के परिपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत थाना नियुक्त पवन कुमार साहू द्वारा विधिक सहायता प्रदान कर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को तत्काल सूचना दी गई। मानसिक रोगी को चिकित्सकीय परीक्षण हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बेरला के डॉक्टर द्वारा मानसिक रोगी के मानसिक व शारीरिक स्थिति की जांच उपरांत उचित उपचार हेतु मानसिक स्वास्थ्य उपचार केन्द्र सेन्द्री, बिलासपुर ले जाने की मेडिकल रिपोर्ट प्रदान की गई। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के आदेशानुसार अधिकार मित्र के माध्यम से माननीय मुख्य न्यायिक मजि. न्यायालय बेमेतरा के समक्ष पेश किया गया। तत्संबंध में तत्काल कार्यवाही करते हुए माननीय मुख्य न्यायिक मजि. न्यायालय बेमेतरा के द्वारा मानसिक रोगी व्यक्ति को उचित स्वास्थ्य उपचार हेतु रैफरल आर्डर प्रदान कर थाना प्रभारी बेरला को आरक्षक के जरिये निर्देशित कर मानसिक चिकित्सालय सेंदरी बिलासपुर में सुरक्षित मे भर्ती कराया गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com